राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 156 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, शनिवार, 18 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

ख़ास ख़बर

वरुण सिंह का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

हेलीकॉप्टर हादसा

भोपाल। तमिलनाडु में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले वायु सेना के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह (39) का शुक्रवार को मध्यप्रदेश के भोपाल में पूरे राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। तमिलनाडु में कुन्नूर के पास आठ दिसंबर को हुए हेलीकॉप्टर हादसे में देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और 11 अन्य सैन्य कर्मियों की मौत हो गई थी। इस हादसे में एकमात्र जीवित बचे ग्रुप कैप्टन वरूण सिंह का बेंगलुरू के सैनिक अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां बुधवार सुबह उनका निधन हो गया था।

नायडू ने दुर्गा पूजा को यूनेस्को से विरासत का दर्जा मिलने पर देशवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली। राज्यसभा में सभापति एम वेंकैया नायडू ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा पश्चिम बंगाल के दुर्गा पूजा उत्सव को विरासत का दर्जा दिए जाने के लिए शुक्रवार को देशवासियों को बधाई दी। नायडू ने सुबह उच्च सदन की बैठक होने पर इसका जिक्र किया। यूनेस्को ने कोलकाता के दुर्गा पूजा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया है।

हिमालय से आने वाली सर्द हवाओं से कंपकपाया राजस्थान

जयपुर। हिमालय से आने वाली उत्तरी सर्द हवाओं ने राजस्थान को अपनी चपेट में ले लिया है जहां बीती रात फतेहपुर में पारा शून्य से नीचे दर्ज किया गया। विभाग ने अगले कुछ दिनों में राज्य के अनेक इलाकों में पाला पड़ने व अति शीतलहर चलने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में कड़ाके की सर्दी शुरू हो गई है।

जरा हट के... बग्गा

महापौर सम्मेलन

उन शहरों की सूची बनाएं जहां स्वच्छता अभियान नहीं है

■ वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन शहरों की सूची तैयार करने की जरूरत है जहां स्वच्छता अभियान की ओर आंखें मूंद ली गई हैं।

वाराणसी में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी को न केवल स्वच्छता में उत्कृष्ट शहर को पुरस्कार देने के लिए कहा, बल्कि स्वच्छता के क्षेत्र में ईमानदारी से प्रयास करने वालों को भी सम्मानित करने को कहा।

जिन शहरों में स्वच्छता के क्षेत्र में काम नहीं हो रहा है,उसकी भी सूची बनाई जाए और संबंधित राज्यों को सौंपी जाए।इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के 120 महापौर भाग ले रहे हैं। इस सम्मेलन का विषय 'नया शहरी भारत' है।

पीएम ने लिफाफों के इस्तेमाल पर जोर दिया

उन्होंने एकल इस्तेमाल वाली प्लास्टिक पर रोक पर चर्चा करते हुए लिफाफों के इस्तेमाल पर जोर देने पर भी बात की। हमें शहर का जन्म दिवस पता होना चाहिए और शहर का जन्म दिवस बड़े पैमाने पर मनाया जाना चाहिए और अपने शहर के प्रति गौरव पैदा होना चाहिए। शहरी विकास के क्षेत्र में भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित करें।

महापौर संकल्प के साथ अगली बार प्रतिस्पर्धा में आएं

प्रधानमंत्री ने कहा, पूरे देश में स्वच्छता अभियान चल रहा है। पूरे देश में हर वर्ष स्वच्छ शहर की घोषणा होती है। मैं देख रहा हूं कि कुछ ही शहरों ने इसमें अपनी जगह बनाई है, लेकिन बाकी शहर निराश होकर बैठ जाएं यह मानसिकता नहीं होनी चाहिए। आप सभी महापौर संकल्प करें कि अगली बार स्वच्छता की प्रतिस्पर्धा में आपके शहर किसी से पीछे नहीं रहें। उन्होंने कहा, काशी की अर्थव्यवस्था में मां गंगा का बहुत बड़ा हाथ है, इसी तरह हमें अपने-अपने शहरों में नदियों को महत्व देना चाहिए और हर वर्ष नदी उत्सव मनाना चाहिए। हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि हमारा शहर स्वच्छ हो और स्वस्थ हो।

नए सीडीएस: सूची जल्द ही सौंपेंगे

तीनों सेनाओं से मिली सिफारिशों के आधार पर सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार ने अगले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीसी) की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है और तीनों सेनाओं से मिली सिफारिशों के आधार पर नामों की सूची मंजूरी के लिए शीघ्र ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपी जाएगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार जनरल बिपिन रावत के उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए थल सेना, नौसेना और वायुसेना के वरिष्ठ कमांडर की सदस्यता वाली एक समिति को अंतिम रूप दे रही है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रथम सीडीएस जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका और सशस्त्र बलों के 11 अन्य कर्मियों की आठ

दिसंबर को तमिलनाडु में कुन्नूर के निकट एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई। घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति एवं गंभीर रूप से घायल ग्रुप कैप्टन वरूण सिंह का बुधवार को निधन हो गया। नए सीडीएस के चयन से जुड़े घटनाक्रम से अवगत दो लोगों ने बताया कि तीनों सेनाओं (थल सेना, नौसेना और वायुसेना) से मिली सिफारिशों के आधार पर सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है तथा शीघ्र ही इसे मंजूरी के लिए रक्षा मंत्री को सौंप दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्री की मंजूरी मिलने के बाद नए सीडीएस की नियुक्ति के लिए अंतिम निर्णय लेने को लेकर नामों को (केंद्रीय) मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति के पास विचारार्थ भेजा जाएगा। समझा जाता है कि थल सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे के संपूर्ण अनुभव पर विचार करते हुए उन्हें इस शीर्ष पद पर नियुक्त करने की प्रबल संभावना है।जनरल नरवणे अप्रैल में कार्यकाल पूरा करेंगे।

लेफ्टि. जनरल जोशी थल सेना प्रमुख हो सकते हैं

वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल वी.आर. चौधरी और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने अपना-अपना पदभार 30 सितंबर और 30 नवंबर को संभाला था। यदि जनरल नरवणे सीडीएस नियुक्त किए जाते हैं तो सरकार को उनके उत्तराधिकारी पर भी विचार करना होगा। थल सेना के उप्र प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सी.पी. मोहंती और उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल वाई.के. जोशी थल सेना प्रमुख पद के लिए दौड़ में आगे हैं।

निर्वाचन आयोग के साथ अपने मातहत के तौर पर व्यवहार कर रही है सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार निर्वाचन आयोग के साथ अपने मातहत के तौर पर व्यवहार कर रही है। पार्टी महासचिव और मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने एक खबर का हवाला देते हुए यह दावा भी किया कि सरकार देश की संस्थाओं को नष्ट करने के मामले में बहुत ही नीचे गिर चुकी है। उन्होंने जिस खबर का हवाला दिया उसमें कहा गया है कि विधि मंत्रालय के एक अधिकारी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के साथ बैठक में मौजूद रहने के लिए कहा था और मुख्य चुनाव आयुक्त पर इस पर आपत्ति जताई थी। सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा कि चीजें बेनकाब हो गई हैं और जो बातें पहले कहीं जाती थीं वो तथ्य हैं।

गहलोत सरकार ने कार्यकाल के तीन साल पूरे किए

■ जयपुर

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के तीन साल शुक्रवार को पूरे हो गए और मुख्यमंत्री ने संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सरकार के सफल तीन वर्ष पूर्ण होने पर सभी नागरिकों को बधाई दी है। गहलोत ने अपनी सरकार की उपलब्धियों को बताने वाला विज्ञापन साझा करते हुए ट्वीट किया, राज्य की

संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सरकार के सफल तीन वर्ष पूर्ण होने पर मैं सभी को हार्दिक बधाई देते हुए प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि, स्वस्थ जीवन और चहुंमुखी विकास की कामना करता हूं। उन्होंने लिखा, आइए हम सब मिलकर राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं संकल्पबद्धता से अपने कदम बढ़ाएं और मन, वचन व कर्म से इसमें सहभागी बनकर अपनी भूमिका निभाएं। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने 17 दिसंबर 2018 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। सरकार के कार्यकाल के तीन साल पूरे होने पर अनेक कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

सुशासन देने में विफल रही सरकार: पूनियां

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजस्थान इकाई के अध्यक्ष सतीश पूनियां ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार सुशासन देने में विफल रही है और सरकार के तीन साल राज्य में किसानों, बेरोजगारों और महिलाओं के लिए काले अध्याय के रूप में देखे जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि राज्य की अशोक गहलोत सरकार ने अपने कार्यकाल के तीन साल शुक्रवार को पूरे किए।

पूनियां ने गहलोत सरकार की तीसरी वर्षगांठ पर कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में जयपुर में महंगाई को लेकर एक रैली की लेकिन इसमें उन्होंने यह नहीं बताया कि राज्य में पेट्रोल और डीजल पर वैट क्यों अधिक है और राज्य में लोगों को बिजली महंगी क्यों मिल रही है।

पीएमओ ने चुनाव सुधारों पर निर्वाचन आयुक्तों के साथ बातचीत की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) सुशील चंद्रा और चुनाव आयुक्तों- राजीव कुमार तथा अनूप चंद्र पांडे ने प्रमुख चुनाव सुधारों को लेकर निर्वाचन आयोग एवं कानून मंत्रालय के बीच परस्पर समझ को समान बनाने के लिए हाल में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के साथ एक अनौपचारिक बातचीत की। आयोग के सूत्रों ने शुक्रवार को जोर देते हुए कहा कि ऐसा करने में औचित्य का कोई सवाल नहीं उठता है। उन्होंने बताया कि आयोग चुनाव कानूनों में सुधारों और संबद्ध मुद्दों पर जोर देता रहा है तथा नवंबर में डिजिटल माध्यम से हुई बातचीत कानून मंत्रालय एवं निर्वाचन आयोग के बीच विभिन्न बिंदुओं पर परस्पर समझ को समान बनाने के लिए की गई। शुक्रवार को प्रकाशित इस खबर के बारे में पूछे जाने पर कि कानून मंत्रालय ने आयोग को एक पत्र भेज कर कहा था कि प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव सामान्य मतदाता सूची पर एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे और उम्मीद की जाती है कि सीईसी उपस्थित रहेंगे, सूत्रों ने कहा कि तीनों आयुक्त औपचारिक बैठक में शरीक नहीं हुए। इस खबर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मुख्य निवार्चन आयुक्त एस. वाई. कुरैशी ने कहा कि यह बिल्कुल ही स्तब्ध कर देने वाला है। सूत्रों ने बताया कि कानून मंत्रालय के अधिकारयों के अलावा आयोग के वरिष्ठ अधिकारी औपचारिक बैठक में शरीक हुए।

अनौपचारिक संवाद पर कांग्रेस ने निशाना साधा

कांग्रेस ने पीएमओ के साथ निर्वाचन आयोग के अनौपचारिक संवाद को लेकर सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार निर्वाचन आयोग के साथ अपने मातहत के तौर पर व्यवहार कर रही है। प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि सरकार देश की संस्थाओं को नष्ट करने के मामले में बहुत ही नीचे गिर चुकी है।

योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल पर आधारित पुस्तक बाजार में आई

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ के कार्यों का लेखा-जोखा एक नई किताब में किया गया है। लेखक शांतनु गुप्ता द्वारा लिखित, द मॉक हू ट्रांसफॉर्म्ड उत्तर प्रदेश : हाओ योगी आदित्यनाथ चेंज्ड यूपी वाला भैया एब्यूज टू ए बैज ऑफ ऑनर का प्रकाशन गरुड़ प्रकाशन ने किया है। लेखक ने पहले द मॉक हू बिकम चीफ मिनिस्टर : द डेफिनिटिव बायोग्राफी ऑफ योगी आदित्यनाथ लिखी थी, जो भाजपा नेता आदित्यनाथ के राजनीतिक नेता बनने की यात्रा का वर्णन है।

जनरल बिपिन रावत के गांव से वीर ग्राम यात्रा शुरू करेगी कांग्रेस

देहरादून। कांग्रेस हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत के गांव से वीर ग्राम परिक्रमा यात्रा अभियान शुरू करेगी। पार्टी महासचिव हरीश रावत ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल जनरल रावत के गांव से इस तीन दिवसीय अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके अलावा एक अभियान प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले जनरल दिवंगत बीसी जोशी के गांव से शुरू करेंगे।

गृह राज्य मंत्री की बर्खास्तगी की मांग को लेकर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा अदालत में दिए आवेदन की पृष्ठभूमि में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के इस्तीफे की मांग करते हुए भारी हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब आधे घंटे बाद अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही आरंभ होते ही कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। कई सदस्यों ने हाथों में तख्तियां भी ले रखी थीं।

अध्यक्ष ओम बिरला ने शोर-शराबे के बीच ही प्रश्नकाल शुरू कराया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और कुछ अन्य मंत्रालयों से जुड़े पूरक प्रश्न पूछे गए और इन विभागों के संबंधित मंत्रियों ने उत्तर दिए।

पीएम आज करेंगे गंगा एक्सप्रेस वे का उद्घाटन

■ लखनऊ

गंगा एक्सप्रेस वे प्रदेश के तरक्की, आर्थिक विकास और रोजगार की नई इबारत लिखने वाला है। प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा 594 किमी लंबा गंगा एक्सप्रेस वे प्रयागराज से मेरठ होते हुए कई राज्यों को एक सूत्र में पिरोने वाला है। इसका लाभ एनसीआर, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई अन्य राज्यों के लोगों को भी मिलने वाला है। पूर्वी यूपी से लेकर पश्चिमी यूपी के 12 जिलों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस वे के किनारे औद्योगिक गलियारे से लेकर कई अन्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। गंगा एक्सप्रेस वे प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में मील का पत्थर साबित होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 दिसंबर को शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेस वे परियोजना का शिलान्यास करने वाले हैं। राज्य सरकार ने 36,230 करोड़ रुपए की लागत से गंगा एक्सप्रेस वे परियोजना की स्वीकृति पिछले साल 26 नवंबर को दी थी। पर्यावरण संरक्षण के लिए एक्सप्रेस वे के किनारे करीब 18,55,000 पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही परियोजना में अधिग्रहित भूमि पर सोलर पावर के माध्यम से ऊर्जा का उत्पादन होगा, जिससे परियोजना के संचालन के लिए आवश्यक ऊर्जा की पूर्ति होगी। गंगा एक्सप्रेस वे आधे से ज्यादा पश्चिमी यूपी के मेरठ, हापुड़, बुलन्दशहर, अमरोहा, सम्भल, बदायूं और शाहजहांपुर जिले से गुजर रहा है। हापुड़ और बुलन्दशहर सहित अन्य जिलों के लोगों के आवागमन के लिए गढ़मुक्तेश्वर में एक अन्य पुल बनाया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेस वे से सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ कृषि, वाणिज्य, पर्यटन और उद्योगों की आय को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा विभिन्न उत्पादन ईकाईयों, विकास केंद्रों और कृषि उत्पादन क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ने के लिए एक औद्योगिक कॉरिडोर के रूप में सहायक होगा।

बांग्ला देश — **1971 में पाकिस्तानी सेना ने इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था**

राष्ट्रपति कोविंद ने रमणा काली मंदिर का किया उद्घाटन

एजेंसी ■ ढाका

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ऐतिहासिक श्री रमणा काली मंदिर का यहां शुक्रवार को उद्घाटन किया और इसे भारत तथा बांग्लादेश के लोगों के बीच सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक जुड़ाव का प्रतीक बताया। वर्ष 1971 में पाकिस्तानी सेना ने इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। कोविंद बांग्लादेश के राष्ट्रपति एम. अब्दुल हामिद के निमंत्रण पर अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर ढाका आए हैं। वह 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रपति और प्रथम महिला सविता कोविंद ने जीर्णोद्धार किए गए मंदिर में पूजा-अर्चना

भी की। बांग्लादेश के धार्मिक मामलों के कनिष्ठ मंत्री फरीदुल आलम खान ने मंदिर के पुजारियों के साथ राष्ट्रपति, प्रथम महिला और उनकी बेटी स्वाति का स्वागत किया तथा वे लगभग 30 मिनट तक कार्यक्रम स्थल पर रुके।

मंदिर के प्रवक्ता ने कहा, भारत के राष्ट्रपति ने मंदिर के विस्तारित हिस्से का उद्घाटन किया, पूजा-अर्चना की और मंदिर का संचालन करने वालों को बधाई दी। राष्ट्रपति की यात्रा से अवगत एक हिंदू पुजारी ने कहा, राष्ट्रपति कोविंद और उनके परिवार के सदस्यों ने मंदिर के जीर्णोद्धार किए गए हिस्से में पूजा-अर्चना की। ढाका के बीचों-बीच बने इस मंदिर को ऑपरेशन सर्चलाइट के तहत 1971 में पाकिस्तानी सेना ने पूरी तरह से तोड़ दिया था। कुछ खबरों के अनुसार, मंदिर को आग लगा दी गई थी और इस घटना में श्रद्धालुओं तथा मंदिर में रहने वाले तमाम लोग मारे गए थे। उन्होंने 25 मार्च 1971 की रात और उसके बाद के दिनों में रमणा काली मंदिर सहित कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में आग लगा दी थी। भारत ने मंदिर के जीर्णोद्धार में मदद की है। मंदिर का उद्घाटन करने के बाद भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा कि वह इसे मां काली के आर्शीवाद के तौर पर देखते हैं।

भारत को जरूरत पड़ी तो अतिरिक्त राफेल देने को तैयार : फ्रांसीसी रक्षा मंत्री

■ नई दिल्ली

फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश भारत को आवाश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त राफेल युद्धक विमान देने को तैयार है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि एक ही तरह का विमान रणनीतिक साझेदारों द्वारा उपयोग करना उनके संबंधों की वास्तविक परिसंपत्ति और मजबूती को दिखाता है। पार्ली ने कहा कि फ्रांस मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करने और भारतीय निर्माताओं को अपनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और एकीकृत करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। फ्रांस की रक्षा मंत्री ने भारत-फ्रांस सहयोग पर एक सत्र में यह टिप्पणी की। फ्रांसीसी दूतावास ने बृहस्पतिवार को जानकारी दी थी कि कोविड-19 महामारी के बावजूद भारत को निर्धारित समय पर 33 राफेल लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जा चुकी है। भारत ने सितंबर 2016 में फ्रांस के साथ करीब 59 हजार करोड़ रुपए में 36 राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अंतर सरकारी स्तर पर समझौता किया था। पार्ली ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैं खुश हूं कि भारतीय वायुसेना राफेल विमानों से संतुष्ट है और हमें गर्व है कि कोविड-19 महामारी के बावजूद हमने करार के तहत समय पर 36 विमानों की आपूर्ति की...यह उपलब्धि है। एक ही तरह के विमान का उपयोग करना वास्तविक परिसंपत्ति और ताकत है। फ्रांसीसी रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना के बेड़े में दूसरे विमानवाहक पोत के शामिल करने की योजना को रेखांकित करते हुए संकेत दिया कि फ्रांस की पोत आधारित लड़ाकू जेट की आपूर्ति करने में रुचि है।

संयुक्त राष्टः भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति बोले- महामारी से स्थायी रूप से उबरने की शुरुआत टीकों से होनी चाहिए

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने पीबीसी-ईसीओएसओसी की संयुक्त बैठक में कहा, 'अगर हमें महामारी से स्थायी रूप से उबरने की आवश्यकता है, तो

इसकी शुरुआत टीकों से होनी चाहिए।÷ टीएस तिरुमूर्ति 'कोविड-19 महामारी से उबरने के संदर्भ में स्थायी शांति और सतत विकास को बढ़ावा देना' विषय पर भारत की ओर से अपनी राय रख रहे थे। तिरुमूर्ति ने आगे कहा कि 'कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट के उद्भव के बाद, भारत ने अफ्रीका में प्रभावित देशों को तुरंत सहायता की पेशकश की, जिसमें भारत में बने टीके, आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं और चिकित्सा उपकरण की आपूर्ति शामिल है।' उन्होंने कहा कि 'टीके की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए, यह आवश्यक है कि कच्चे माल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को खुला रखा जाए। महिलाओं और युवाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ मानव-केंद्रित और नागरिक-अनुकूल डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।'

अमेरिका और न्यूजीलैंड ने भारत-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता के मुद्दे पर की चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका और न्यूजीलैंड के रक्षा विभाग के अधिकारियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता के मुद्दे पर चर्चा की है। अमेरिका के रक्षा विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। रक्षा विभाग ने बताया कि दोनों देशों के रक्षा अधिकारियों की यह बैठक वर्जुअली तरीके से हुई और इस दौरान दोनों देशों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र की

चुनौतियों से निपटने के लिए द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा, ' अमेरिका के भारत-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव, डॉ. एली रैटनर, और न्यूजीलैंड के रक्षा नीति एवं योजना विभाग के उप सचिव, माइकल स्वैन ने वर्चुअली तरीके अमेरिका-न्यूजीलैंड रक्षा नीति के आठवें वार्षिक बैठक में चर्चा की।' अमेरिकी रक्षा विभाग ने बताया कि इस दौरान दोनों देशों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में आपसी सरोकार के मुद्दों के समाधान के लिए सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहरायी। साथ ही प्रशांत क्षेत्र में अपनी रक्षा रणनीतियों के बारे में भी जानकारी साझा की और प्रशांत द्वीप समूह के भागीदारों के साथ सुरक्षा मामलों पर सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

रूस के साथ बढ़ा तनाव, ईयू-पूर्व सोवियत देशों के नेताओं ने की मुलाकात

ब्रसेल्स। रूस के साथ तनाव बढ़ने के बीच यूरोपीय संघ (श्च) के नेताओं ने यूक्रेन और चार अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों के अपने समकक्षों से मुलाकात की और राजनीतिक, व्यापार, ऊर्जा और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया। यूरोपीय संघ के 'ईस्टर्न पार्टनरशिप' में आर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, जॉर्जिया, मोल्दोवा और यूक्रेन शामिल हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको इस मंच का बहिष्कार कर रहे हैं क्योंकि पिछले साल उनके पुनः निर्वाचन में कथित धोखाधड़ी को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की खबरों के बाद यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगाए थे। बेलारूस का झंडा शिखर सम्मेलन की मेज पर उस जगह लगा है, जहां लुकाशेंको बैठने वाले थे। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, ''कमरे में एक कुर्सी खाली है और मुझे उम्मीद है कि यह कुर्सी जल्द ही एक वैध, लोकतांत्रिक रूप से चुने गए बेलारूसी नेता से भर जाएगी।''ईस्टर्न पार्टनरशिप' की स्थापना 2008 में रूस द्वारा जॉर्जिया में सैनिकों को भेजे जाने के बाद की गई थी,इस कदम से पूरी दुनिया हैरान रह गई थी। साझेदारी का उद्देश्य छह देशों के बीच संबंधों को सुधारना और गहरा करना है, इनमें से अधिकांश रूस के साथ सीमा साझा करते हैं और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ऊर्जा के गढ़ हैं।

ब्रिटेन में कोरोना का कोहरामः टूटे संक्रमण के सारे पिछले रिकॉर्ड, एक ही दिन में आ गए 78 हजार से अधिक मामले

लंदन। ओमिक्रॉन के कहर के बीच ब्रिटेन से डराने वाली खबर आ रही है। दरअसल, यहां बीते 24 घंटे में कोरोना के सारे पिछले रिकॉर्ड ध्वस्त हो गए हैं। न्यूज एजेंसी के अनुसार देश में अब तक के सबसे अधिक 78,610 दैनिक कोरोना वायरस के रिकॉर्ड केस दर्ज किए गए हैं। ब्रिटेन के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यहां अब तक एक करोड़ से अधिक लोग कोरोना संक्रमित हो गए हैं। जबकि ब्रिटेन की कुल आबादी लगभग 6.7 करोड़ है।

पूरे ब्रिटेन में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ने के साथ, प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संक्रमण की तेज लहर की चेतावनी दी है। हालांकि उन्हें उस समय जोरदार झटका लगा जब

उनके 100 से अधिक सांसदों ने महामारी के बढ़ते प्रसार को रोकने के उपाय के खिलाफ मतदान किया।

क्रिसमस और न्यू ईयर पर लोग हो सकते हैं निराश

स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि यूरोप में क्रिसमस और न्यू ईयर की तैयारियां जोरों पर है लेकिन इस तरह से संक्रमण की बढ़ती रफ्तार लोगों को निराश कर सकती है। इस बीच यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोपीय संघ ओमिक्रॉन से लड़ने के लिए तैयार है। यहां करीब 66 फीसदी आबादी संपूर्ण टीकाकरण करा चुकी है। लेकिन तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है।

दावाः वुहान लैब से रिसाव ही कोरोना की उत्पत्ति की संभावित वजह, कनाडा की जीवविज्ञानी ने किया खुलासा

टोरंटो। कनाडा के आणविक जीवविज्ञानी ने दावा किया है कि वुहान लैब से लीक ही कोरोना की उत्पत्ति का मुख्य कारण है। कनाडा की एक आणविक जीवविज्ञानी ने कोविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित हाउस ऑफ कॉमन्स समिति में शामिल विभिन्न दलों के सांसदों से कहा कि चीन के वुहान क्षेत्र की एक प्रयोगशाला से रिसाव ही कोविड-19 वैश्विक महामारी की उत्पत्ति की 'अत्यधिक संभावित' कारण है। जीन थेरेपी और सेल इंजीनियरिंग की एक्सपर्ट और 'वायरलः द सर्च फॉर द ओरिजिन ऑफ कोविड-19' की लेखिका डॉ अलीना चान ने वैज्ञानिक अनुसंधान पर संसद की समिति के सामने 15 दिसंबर को बताया कि कोरोना वायरस की 'फ्यूरिन

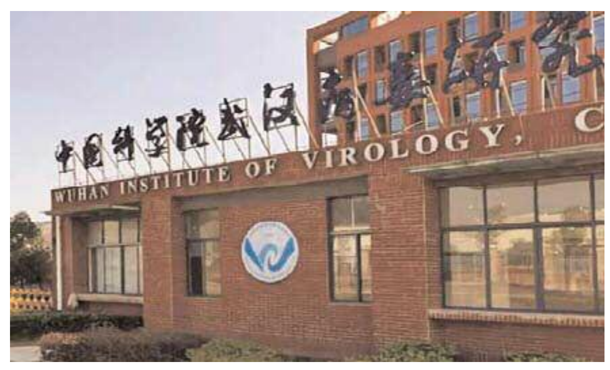

क्लीवेज साइट' नामक असामान्य विशेषता के कारण महामारी हुई थी औप वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में पाया गया था।

प्राकृतिक उत्पत्ति की तुलना में प्रयोगशाला की उत्पत्ति अधिक-महामारी की उत्पत्ति के रूप में एक प्रयोगशाला रिसाव की संभावना के बारे में पैनल द्वारा पूछे जाने पर, चान ने बताया कि 'इस बिंदु पर प्राकृतिक उत्पत्ति की तुलना में प्रयोगशाला की उत्पत्ति अधिक होने की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी सहमत हैं कि हुआनन सीफ़ूड मार्केट में एक महत्वपूर्ण घटना हुई थी, जो मनुष्यों के कारण होने वाली एक सुपर स्प्रेडर घटना थी। उस बाजार में वायरस के प्राकृतिक पशु मूल की ओर इशारा करने वाला कोई सबूत नहीं है।

समय बताएगा कि कोरोना की उत्पत्ति कहां हुई-चान

पैनल द्वारा यह भी उनसे सवाल किया गया कि दुनिया अंततः कोविड-19 की वास्तविक उत्पत्ति को स्थापित करने में सक्षम होगी, चैन ने कहा कि यह तो आने वाला समय ही तय करेगा।

आर्थिक मंदी से जूझ रहे पाकिस्तान पर मंडरा रहे गैस संकट के बादल

इस्लामाबाद। आर्थिक मंदी के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान पर अब गैस संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने देश में गैस संकट की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि आने वाले सालों में पास्किस्तान के पास कोई गैस नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा है कि पिछले दो सालों से देश में हर साल गैस में 9 फीसदी की कमी हो रही है।

फवाद चौधरी ने आगे कहा है कि बड़े शहरों में 23 फीसद लोगों को रियायती दरों पर गैस उपलब्ध है और इसका बोझ देश के अन्य हिस्सों में बड़े पैमाने पर लोग वहन कर रहे हैं जो एलपीजी, कोयले और अन्य साधनों पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा है कि बड़े शहरों में सस्ती दरों पर गैस मिलने वाले लोगों को अब अपनी आदतें बदल लेनी चाहिए। ऐसा अब और अधिक समय तक जारी नहीं रहेगी। उन्होंने आगे कहा है कि सभी को समान आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार को अपनी गैस प्रणाली का पुनर्गठन करना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान गैस के भंडार में कमी की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेट्रोलियम डिवीजन को लघु, मध्यम और दीर्घकालिक योजना तैयार करने का आदेश दिया है। फेडरल कैबिनेट ने पेट्रोलियम डिवीजन को गैस भंडार में कमी दर का पता लगाने के लिए भी कहा है। पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में कहा था कि आने वाले सालों में किसी भी बड़ी खोज के अभाव में गैस भंडार पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

अमेरिका का चीन के खिलाफ नया एक्शन, दर्द निवारक दवा बनाने वाली चीनी कंपनियों पर भी लगाया बैन

वॉशिंगटन। अमेरिका ने चीन को एक और झटका देते हुए चीन की दर्द निवारक दवा निर्माता कंपनियों पर कई प्रतिबंध लगा दिए हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते कहा कि यह कदम महामारी का रूप लेती जा रही नशे की लत से देश की युवा पीढ़ी को बचाने के लिए उठाया है।प्रतिबंध से जुड़े राष्ट्रपति जो बाइडेन के इस नए कार्यकारी आदेश का उद्देश्य विदेश नशा तस्करों पर लगाम कसना है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने एक बयान में कहा कि यह कदम नशा तस्करों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और वित्तीय नेटवर्क की कमर तोड़ने में अमेरिका के लिए मददगार साबित होगा। कोषागार विभाग ने कहा है कि वह चार चीनी रासायनिक कंपनियों और एक व्यक्ति चुएन फैट यिप पर प्रतिबंध लगा रहा है। अमेरिका ने चुएन को दुनिया का सबसे बड़ा एनाबॉलिक स्टेरॉयड का निर्माता बताते हुए उसकी गिरफ्तारी के लिए पांच मिलियन डॉलर तक के पुरस्कार की पेशकश की थी। कोषागार विभाग ने कहा कि चुएन और उसकी कंपनी वुहान युआनचेंग गोंगचुआंग टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड चीन और हांगकांग से बाहर काम करती हैं और बिटक्काइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल फेंटेनाइल, स्टेरॉयड और

ड्रग कंपाउंड के अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट में करती हैं।

बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी ने इस संबंध में कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत सरल है कि अधिकांश नशीले पदार्थ चीन से आते हैं और हमारे लिए उस ओर एक संकेत भेजना महत्वपूर्ण था। कोषागार विभाग ने मेक्सिको में दो और ब्राजील के एक आपराधिक नशा तस्कर समूह पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के तहत चुएन और इन समूहों से जुड़ी सभी संपत्तियां अवरुद्ध कर दी गई हैं। एक अनुमान के मुताबिक अप्रैल से अब तक करीब 100,000 अमेरिकी नागरिकों की दर्द निवारक दवाओं की अधिक मात्रा लेने की वजह से मौत हुई है।आरोप है कि दवा कंपनियों ने इन दर्द निवारक दवाओं का प्रचार किया और निराशा से ग्रस्त लोगों को आसानी से उपलब्ध कराया। गौर करने वाली बात यह भी है कि नकली दवाओं के प्रसार के कारण विदेशों से तस्करी कर लाई जाने वाली दर्द निवारक दवाओं के लती बढ़े हैं। इन्हें ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। यह कार्यकारी आदेश अमेरिकी अधिकारियों को सीधे इन विदेशी ड्रग निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सक्षम बनाता। बाइडन ने ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम पर यूएस काउंसिल की स्थापना भी की है, जो अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने के लिए विभागों के बीच समन्वय करेगी।

रूस-चीन बैठक में पुतिन बोले- शी हमारे 'प्रिय मित्र', बीजिंग ओलंपिक का बहिष्कार नहीं होने देंगे

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन ने डिजिटल माध्यम से एक शिखर बैठक की जिसमें मानवाधिकारों से लेकर यूक्रेन की सीमा के निकट रूसी सैनिकों के जमावड़े समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा दोनों नेताओं ने अमेरिका के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान करते हुए उनके खिलाफ अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा बढ़ाई जा रही मुश्किलों का मुकाबला करने के लिए एक रणनीतिक गठबंधन बनाने पर जोर दिया। वीडियो शिखर बैठक के दौरान हाल के हफ्तों में यूक्रेन की सीमा के पास हजारों रूसी सैनिकों के जमावड़े को लेकर तनाव पर विचार-विमर्श किया गया ।

रूसी सैनिकों की सीमा पर तैनाती एक ऐसा कदम है जिसे लेकर कीव और पश्चिम ने आशंका जताई है कि मास्को नए आक्रमण की योजना बना रहा है। हालांकि रूस ने यूक्रेन पर हमला करने की किसी भी योजना से इंकार किया है और युद्धग्रस्त देश में अपने सैन्य जमावड़े के लिए कीव को दोषी ठहराया है।यह शिखर बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ पुतिन की इसी तरह की डिजिटल बैठक के लगभग आठ दिन बाद हुई है। जैसे ही उन्होंने बुधवार की बैठक शुरू

की पुतिन ने हाथ हिलाकर शी का स्वागत किया और उन्हें अपना ÷प्रिय मित्र÷ कहा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने बताया कि चीनी नेता ने उसी इशारे और मुस्कान के साथ जवाब दिया। पुतिन ने कहा, ÷निरंतर स्वच्छता और महामारी संबंधी प्रतिबंधों के बावजूद हम स्थायी संपर्क बनाए रखते हैं।'

शी के 2013 में चीन के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद से वह और पुतिन 36 बार मिल चुके हैं। रूसी मीडिया में आई खबरों के अनुसार, इन बैठकों में जून में आयोजित वीडियो लिंक के माध्यम से एक बैठक भी शामिल है। दोस्ती के एक प्रमुख संकेत में, पुतिन ने कहा कि वह 2022 के बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक में अगले साल फरवरी में शामिल होकर शिनजियांग प्रांत में उइगुर मुसलमानों के खिलाफ चीन के मानवाधिकार हनन को उजागर करने के लिए अमेरिका द्वारा आयोजित किए जा रहे राजनयिक बहिष्कार की धार को कुंद कर देंगे। पुतिन ने चीन के इस रुख का भी समर्थन किया कि ताइवान उसकी मुख्य भूमि का अभिन्न अंग है। पुतिन ने कहा कि रूस ताइवान के सवाल पर चीनी सरकार की न्यायोचित स्थिति का कट्टर समर्थक होगा और चीन के हितों को कमजोर करने के लिए ताइवान के मुद्दे का इस्तेमाल करने वाली किसी भी ताकत का डटकर विरोध करेगा।

ओमीक्रोन को लेकर कनाडा ने जारी की एडवाइजरी, लोगों को यात्रा संबंधी दी सलाह

टोरंटो। कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के बढ़ते मामलों के मद्देनजर कनाडा सरकार ने नई एडवाइजरी जारी करते हुए देशवासियों को अनावश्यक यात्राएं न करने का सुझाव दिया और ओंटारियो में एनबीए और एनएचएल खेलों जैसे कार्यक्रमों में दर्शकों की संख्या 50 प्रतिशत तक सीमित कर दी है। ओंटारियो के प्रमुख डग फोर्ड ने यह भी कहा कि सभी व्यस्क जिनको दूसरी खुराक लिए तीन महीने हो चुके हैं वे सोमवार से कोविड-19 रोधी टीके की तीसरी (बूस्टर) खुराक के लिए 'बुकिंग' कर सकते हैं । फोर्ड ने कहा, '' हम लॉकडाउन नहीं लगा रहे हैं और इससे ऐसे ही निपटने की कोशिश करेंगे।' फोर्ड

ने कहा कि इससे बचने का सबसे सही तरीका 'बूस्टर' खुराक लेना ही है। उन्होंने कहा, '' यही हमारी योजना है और यही हम करने वाले हैं।' बार और रेस्तरां पूरी क्षमता के साथ खुले रहेंगे। प्रांतीय अधिकारियों ने बताया कि केवल 1000 या उससे अधिक दर्शकों वाले किसी कार्यक्रम पर ही लोगों की मौजूदगी से जुड़ी पाबंदी लगाई गई है। आंकड़ों के अनुसारी, ओंटारियो में सोमवार को कोरोना वायरस के 1,808 और क्यूबेक में 2,386 नए मामले सामने आए। फोर्ड ने कहा कि अभी तक 'ओमीक्रोन' काफी संक्रामक प्रतीत हो रहा है और प्रांत में इसका प्रकोप बढ़ने की आशंका है। ओंटारियो के किंग्सटन शहर ने इस नए स्वरूप के बढ़ते मामलों के मद्देनजर इस सप्ताह पांच से अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक लगा दी थी। ओंटारियो के स्कूल भी नए साल में एकबार फिर कक्षाएं ऑलाइन आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका में ओमीक्रोन के बाद रहस्यमय बीमारी का कहर; 89 लोगों की मौत, डब्ल्यूएचओ दहशत में

फांगक। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट के बाद फैल रही एक रहस्यमयी बीमारी रही है। इस बीमारी से दक्षिण सूडान के जोंगलेई राज्य के उत्तरी शहर फांगक में अब तक 89 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन दहशत में और उसकी चिंता और बढ़ गई है। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि नई बीमारी बड़ी मुसीबत बन सकती है क्योंकि यह चकमा दे रही है। खबरों के मुताबिक WHO ने इस बीमारी से ग्रसित लोगों के सैंपल लेने के लिए वैज्ञानिकों की एक रैपिड रिस्पॉन्स टीम को इस क्षेत्र में भेजा है। बता दें कि दुनियाभर में कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट का खतरा बढ़ता जा रहा है।पहली बार 24 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में वैज्ञानिकों ने बोत्सवाना के एक व्यक्ति में इस वेरिएंट की पहचान की थी। तबसे लेकर अब तक ओमिक्रॉन के मामले दुनिया के 77

से ज्यादा देशों में पाए जा चुके हैं। यानी तीन हफ्तों में ही कोरोना का यह वेरिएंट जबरदस्त रफ्तार से फैला है। हालांकि इससे पैदा होने वाले खतरे को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वैज्ञानिकों की ओर से दी गई सबसे ताजा जानकारी ये है कि ओमिक्रॉन के इस वेरिएंट की रफ्तार जरूर डेल्टा के मुकाबले काफी तेज है, लेकिन इससे पैदा होने वाली जटिलताएं डेल्टा के मुकाबले काफी कम हैं।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर ने कहा कि देश में लगभग 60 वर्षों में आई सबसे भीषण बाढ़ से 700,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जिसके लिए जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इस क्षेत्र में काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय धर्मार्थ संस्था मेडेकिन्स सैन्स फ्रंटियरेस (एमएसएफ) ने कहा कि बाढ़ के कारण पैदा हुई अराजकता अब स्वास्थ्य सुविधाओं पर दबाव बढ़ा रही है।

चीन की वैक्सीन ने बढ़ाई दुनिया की टेंशन, वैज्ञानिक बोले- ओमीक्रोन के खिलाफ चीनी टीका 'फेल'

बीजिंग। चीन की कोविड वैक्सीन को लेकर दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है। हांगकांग के मेडिकल शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि चीन की फॉर्मा कंपनी सिनोवैक बायोटेक लिमिटेड द्वारा तैयार कोरोनावैक वैक्सीन शरीर में पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं प्रदान कर पाती है। ये तथ्य सामने आने के बाद उन देशों की चिंता बढ़ सकती है जिन्होंने इस वैक्सीन का इस्तेमाल किया है। कोरोना महामारी से बचाव के लिए चीन की वैक्सीन ने दुनिया के उन देशों की चिंता बढ़ा दी है जिन्होंने इस वैक्सीन का इस्तेमाल किया है।

सिनोवैक बायोटेक लिमिटेड द्वारा तैयार वैक्सीन का उपयोग कई देशों में किया गया है लेकिन हांगकांग के शोधकर्ता का दावा है कि यह वैक्सीन कोविड के खिलाफ शरीर में पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं प्रदान कर पाती है। मंगलवार रात को यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग के शोधकर्ताओं द्वारा जारी बयान के अनुसार पूरी तरह से वैक्सीनेटेड 25 लोगों के ग्रुप को जिन्हें सिनोवैक बायोटेक की कोरोनावैक वैक्सीन दी गई थी उनमें ओमिक्रॉन वेरिएंट से लड़ने के लिए ब्लड सीरम में पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं बन पाई ।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पूर्ण रूप से वैक्सीनेटेड 25 लोगों के एक अन्य ग्रुप को फाइजर और बायोएनटेक का वैक्सीन डोज दिया गया और उनके अंदर नए वेरिएंट के खिलाफ एंटीबॉडीज पाई गई हैं। यह तथ्य इन कंपनियों ने अपनी जांच के बाद पिछले सप्ताह जारी किए थे और

कहा था कि वैक्सीन के तीसरे शॉट के माध्यम से ओमिक्रॉन वेरिएंट के खिलाफ पर्याप्त एंटीबॉडीज मिलेगी। यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्गकॉन्ग में संक्रामक बीमारियों से जुड़े विशेषज्ञ प्रोफेसर क्वोक युंग येन के नेतृत्व में तैयार इस 50 लोगों पर किए गए अध्ययन को मेडिकल जनरल में प्रकाशित करने की मंजूरी मिल गई है और प्रिंट के लिए ऑनलाइन मोड पर उपलब्ध है।बहरहाल अब तक इस बात का पता नहीं है कि सीनोवेक की यह वैक्सीन ओमिक्रॉन समेत कोविड-19 के अन्य वेरिएंट के खिलाफ कैसे काम करती है लेकिन इन वैज्ञानिकों की जांच ने 2.3 अरब लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं जिन्होंने इस वैक्सीन की खुराक ली है। इनमें ज्यादातर चीन और अन्य विकासशील देशों के लोग शामिल हैं।चूंकि ओमिक्रॉन वेरिएंट अन्य वेरिएंट की तुलना में तेजी से फैलता है । ऐसी स्थिति में शरीर के अंदर पर्याप्त एंटीबॉडीज नहीं होने से इन लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।

कैंसर के उपचार में प्रगति को उजागर करने के लिए जागरूकता सत्र

नई दिल्ली। मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर, साकेत के द्वारा आज कैंसर जैसी बीमारी के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से एक जन जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस जागरूकता सत्र में कोलैबोरेटिव डिजीज मैनेजमेंट और अत्याधुनिक इलाज के तरीकों और रोग की प्राथमिक अवस्था में ही जांच करके डायग्नोसिस करने पर जोर दिया गया।

सत्र में बताया गया है कि कैंसर के इलाज में तकनीक अब बहुत अधिक विकसित हो चुकी है और मिनिमली एक्सेसिव पद्धति (छोटे से छेद से दूरबीन पद्धति से) जटिल सर्जरी भी आसान हो गई है। विशेषज्ञ सर्जन पेट के कैंसर, लिवर कैंसर, कोलन कैंसर तथा ऐसी ही संकरे स्थानों पर बन चुकी कैंसर की गठानों को आसानी से निकाल सकते हैं।

मैक्स हॉस्पिटल स्थित मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर, साकेत नई दिल्ली के चेयरमैन डॉ.हरित चतुर्वेदी ने बताया कि कैंसर के इलाज के क्षेत्र में हुए अत्याधुनिक शोध और तकनीकी विकास के कारण कैंसर के विभिन्न प्रकारों और लास्ट स्टेज में पहुंच चुके मरीजों में इलाज सफलतापूर्वक किया जा सकता है। हाल ही में इन्ही एडवांस टेक्नोलॉजी की मदद से कई मरीजों की जान बचाई जा सकी है। कोरोना महामारी के दौर में मरीजों को इलाज के दौरान कम कम समय अस्पताल में रहना पड़े इसमें दा विंची रोबोट के जरिए मिनिमली इन्वेसिव सर्जरी तथा रोबोटिक सर्जरी ने काफी मदद की है।

- उन्नत कैंसर उपचार ने पेट के कैंसर से पीड़ित 63 वर्षीय कानपूर महिला की जान बची
- कैंसर सभी को प्रभावित कर सकता है - बच्चो से लेकर बुज़ुर्गो तक, समय पर हस्तक्षेप महत्वपूर्ण

63 साल की महिला का कैंसर चौथी स्टेज में था कानपुर की पामिला ढींगरा (63) पेट दर्द, कब्ज की शिकायत के साथ अस्पताल में लाई गई थी। सीटी स्कैनिंग से अपेंडिक्स में कैंसर की गठान पाई गई जो पेट में स्थित कई अवयवों तक फैल गई थी। बायोप्सी से कैंसर के प्रकार और स्टेज की जानकारी सामने आई। इस तरह के कैंसर में कीमोथेपी से मरीज को राहत नहीं मिलती है। इस महिला की पूरी गठान सर्जरी से निकाली गई। पूरी तरह से कैंसर से निजात पाने के लिए आंत का कुछ हिस्सा भी बाहर निकालना पड़ा। कैंसर की गठान निकलने में 16 घंटे लगे, बाद में मरीज को कीमोथेरेपी ट्रीटमेंट भी दिया गया।

मैक्स हॉस्पिटल के जीआई सर्जरी विभाग के डायरेक्टर डॉ.असित अरोरा ने बताया कि सायटोरिडक्टिव सर्जरी और एचआईपीईसी चौथी स्टेज के कैंसर के ट्रीटमेंट में प्रभावी इलाज माना जाता है। मरीज का कैंसर पेट की अंदरूनी सतह तक फैल चुका था। पहले चौथी स्टेज के मरीजों के लिए कोई विश्वस्त इलाज मौजूद नहीं था।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के कैंसर केयर/ऑकोलॉजी विभाग के डायरेक्टर डॉ. देवव्रत आर्य ने बताया कि हम अपने अस्पताल में नियमित रूप से कई तरह कैंसर जैसे कोलन, गुदामार्ग के कैंसर, पैंक्रियाज ग्रंथि के कैंसर, आहार नली कैंसर के साथ-साथ लिवर कैंसर का भी इसी तकनीक से ऑपरेशन सफलतापूर्वक कर रहे हैं।

मैक्स हॉस्पिटल, साकेत, नई दिल्ली के मस्कुस्केलेटल ऑकोलॉजी के डायरेक्टर डॉ अक्षय तिवारी ने बताया कि क्रायोसर्जरी के माध्यम से कैंसरग्रस्त हड्डी को शरीर से बाहर निकालकर उसे पूरी तरह कैंसर मुक्त करने के साथ उसी हड्डी को पुनः शरीर में स्थापित करने की योजना तैयार है। इलाज के बाद हड्डी को कंप्यूटर नेविगेशन पद्धति की मदद से पुनः शरीर के उसी स्थान पर सफलतापूर्वक जोड़ दिया जाता है।

गेम किंग 11 से ज्यादा से ज्यादा जुड़िये एवं स्वस्थ तन और स्वस्थ मन से ऑनलाइन गेम खेलिये : मनोज तिवारी

विवेक राय

नई दिल्ली। क्रिकेट खेलने और क्रिकेट प्रेमियों के लिए ऑनलाइन फैंटसी गेम किंग 11 का उदघाटन दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में हुआ।

कांस्टीट्यूशन क्लब में गेम किंग 11 की लॉन्चिंग में प्रेसिडेंट मैं शैलेश जयसवाल और मनोज सिंह ने पत्रकारों को बुलाया और प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बीजेपी के सीनियर नेता और सांसद भोजपुरी के सुपरस्टार तथा विश्व प्रसिद्ध सिंगर मनोज तिवारी और वाइस प्रेसिडेंट मनोज सिंह जी ने बोला किए ऐप गेम किंग 11 बहुत ही अच्छा है ऐप है। इस ऐप से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा और ऐसी है पहले कभी भी लांच नहीं हुई है जो अब होने जा रही है। इस मौके पर प्रेसिडेंट शैलेश जयसवाल जी ने बोला मनोज तिवारी ने अपना कीमती समय निकालकर यहां आए। और यहां ऐप विश्व के सारे रिकॉर्ड तोड़ेगा। और यह बच्चों और युवाओं को बहुत पसंद आएगा क्योंकि यह बच्चों और युवाओं को ध्यान में रखकर ही इसे बनाया गया है। यह एप्प बहुत ही साधारण तरीके से शुरू किया जा सकता है और युवा इस से जुड़ कर ऑनलाइन गेम खेल कर आगे भी बढ़ सकते है ।

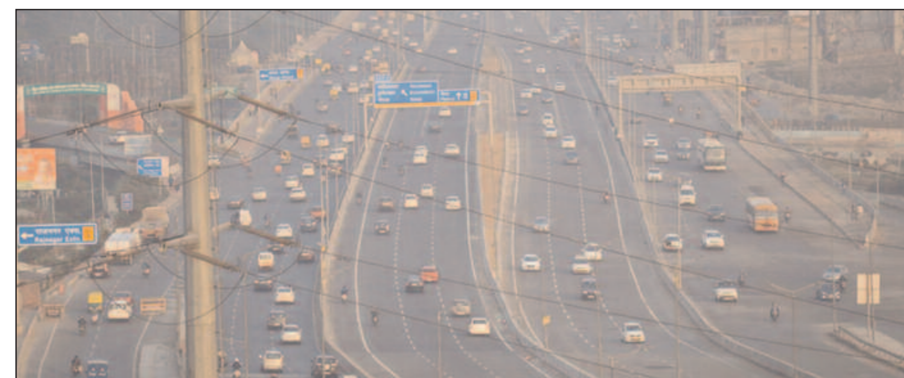

तीन कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ किसानों द्वारा एक साल से अधिक समय से चले आ रहे आंदोलन के आह्वान के बाद गाजीपुर सीमा पर सड़कों पर सामान्य यातायात

वर्तमान सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं है दीपक विग

संवाददाता

नई दिल्ली। आज स्वर्णिम बिहार सेक्टर 82 नोएडा की आरडब्ल्यूए अध्यक्ष शबनम गुप्ता ने महिला सभा की बैठक का आयोजन किया, बैठक की अध्यक्षता नोएडा महानगर महिला सभा की अध्यक्ष सुनीता शारदा ने किया, मुख्य अतिथि के रूप में नोएडा महानगर अध्यक्ष दीपक विग शामिल हुए ,इस मौके पर महानगर अध्यक्ष दीपक विग ने कहा कि आज 90 पर्सेंट महिलाएं सोने के आभूषण व अपने सुहाग की निशानी मंगलसूत्र भी पहनने से डरती हैं उन्हें लगता है कि कोई उन पर हमला करके छीन कर ना ले जाए जोकि वर्तमान सरकार की कानून व्यवस्था की पोल को खोलती है, आज महंगाई चरम पर है, खाने की तेल से लेकर पेट्रोल डीजल के दाम बढ़े हुए महिलाओं का घर का बजट बिल्कुल गड़बड़ हो चुका है, गैस के दाम में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, महिला सभा के अध्यक्ष सुनीता शारदा ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर नोएडा में लड़कियों के लिए अलग से एक डिग्री कॉलेज की व्यवस्था की जाएगी, समाजवादी सरकार आने पर महिलाओं को पूरा सम्मान मिलेगा और वर्तमान सरकार में जो महिलाओं पर जो अत्याचार हो रहे हैं वह सब बंद होंगे, उनके अलावा गौरव चाचरा वह गौरव सिंघल ने भी सभा को संबोधित किया, बैठक में मौजूद मुख्य लोगों में मीना चौहान, पुष्पा मिश्रा, राधिका ,विजय मौर्य शामिल रहे।

केंद्र ने लॉजीएक्सटिक्स-यूनिफायड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप) हैकथॉन लॉन्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने और अधिक विचारों को क्राउडसोर्स करने के लिए- यूनिफायड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूलिप) हैकथॉन - 'लॉजीएक्सटिक्स' लॉन्च किया है जो लॉजिस्टिक्स उद्योग को लाभान्वित करेगा। लॉजिस्टिक्स की रूपरेखा एक पारदर्शी प्लेटफॉर्म का सृजन करने के जरिये बनाई गई है जो सभी हितधारकों को वास्तविक समय सूचना उपलब्ध कराएगा तथा सभी विषम सूचना को हटाने के द्वारा दक्षता बढ़ाएगा। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने के लिए यूलिप हैकथॉन- लॉजीएक्सटिक्स नीति आयोग तथा अटल नवोन्मेषण मिशन द्वारा आयोजित एवं राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) तथा एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स डाटा बैंक सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीएसएल) द्वारा समर्थित है। यूलिप हैकथॉन को नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत द्वारा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के लॉजिस्टिक्स विभाग के विशेष सचिव तथा एनआईसीडीसी के सीईओ एवं एमडी अमृत लाल मीणा, नीति आयोग की वरिष्ठ सलाहकार अन्न रॉय एवं एनआईसीडीसी के उपाध्यक्ष अभिषेक चौधरी की उपस्थिति में लॉन्च किया गया। अमिताभ कांत ने कल एक वर्चुअल कार्यक्रम में हैकथॉन को लॉन्च करने के दौरान कहा, ह्यआज हमारे लिए एक बहुत महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि हम भारत में लॉजिस्टिक्स की सबसे बड़ी समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स की लागत लगभग 14 प्रतिशत है जो दुनिया के अन्य देशों की तुलना में अधिक है। यूलिप का उद्देश्य निजी क्षेत्र से शीर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संगठनों के साथ काम करना और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने के लिए समाधानों की पहचान करना रहा है।

कैट ने ऐमज़ॉन के खिलाफ सीसीआई के आदेश को एक ऐतिहासिक कदम करार दिया

नई दिल्ली। सीसीआई द्वारा अमेज़ॅन को 200 करोड़ रुपये का दंड देने और फ्यूचर डील को निलंबित करने का आदेश एक ऐतिहासिक आदेश है जिससे अमेज़ॅन का कदाचार ,कानूनों और नियमों के निरंतर उल्लंघन और हर कदम पर झूठ का सहारा लेने की आदत अब पूरी तरह से उजागर हो गई है। इस कदम से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के बैनर तले भारत का व्यापारिक वर्ग के अमजोन के ख़िलाफ़ लगाए गए आरोप भी सही साबित हुआ है। कैट ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से भारत में ऐमज़ॉन पोर्टल को तत्काल निलंबित करने का आदेश देने की मांग की है। कैट के महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय कंपनियों को नियंत्रित करने के लिए अमेज़ॅन की शातिर मंशा को सीसीआई ने पूरी तरह विफल कर दिया है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी सी भरतिया और महामंत्री श्री खंडेलवाल ने सीसीआई के साहसिक आदेश की सराहना करते हुए कहा कि सीसीआई का आदेश अमेज़ॅन के कुकर्मों को सुर्खियों में लाने के लिए कैट के दो साल से अधिक के कठोर प्रयासों का पहला ठोस परिणाम है। अंत में कैट के प्रयास सही साबित हुए है। उन्होंने कहा कि यह न केवल अमेज़ॅन बल्कि अन्य विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए भारत सरकार के कानून, नियमों और एफडीआई नीति का उल्लंघन बंद करने का स्पष्ट सन्देश है। हालांकि, कैट यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी ई-कॉमर्स कंपनियां चाहे बहुराष्ट्रीय कंपनियां हों या भारतीय उन्हें कानून का पालन करना चाहिए। हम सरकार के कानूनों और नीतियों के किसी भी उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंग, दोनो व्यापारी नेताओं ने कहा।

दिल्ली में दंगे सुनियोजित तरीके से हिंदुओं को डराने और धमकाने के लिए करवाए गए थेः आदेश गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने उच्च न्यायालय के दिल्ली हिंसा पर दिए फैसले पर कहा कि अब तो न्यायालय ने भी इस बात को मान लिया है कि दिल्ली में दंगे सुनियोजित तरीके से हिंदुओं को डराने और धमकाने के लिए करवाए थे। दंगाईयों ने खरबों रुपये की संपति नष्ट करने के साथ कई लोगों की जानें ले ली। इन दंगों में आम आदमी पार्टी के पार्षद ताहिर हुसैन और उसके साथ गिरफ्तार 9 आरोपियों पर सुनियोजित तरीके से दंगा कराने और निर्दोष लोगों की हत्या के मामले में आरोप तय होने के बाद यह स्पष्ट है कि अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने अपना राजनीतिक हित साधने के लिए यह घिनौना कृत किया था। श्री गुप्ता ने कहा कि इन सुनियोजित दंगों का एक ही मकसद था कि हिंदू समुदाय के लोगों में डर-भय का वातावरण पैदा करना, उनकी संपति लूटना और हिंदुओं को दिल्ली से पलायन करने पर मजबूर करना। ऐसी घिनौनी राजनीति का पदार्फाश होने पर केजरीवाल सरकार को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी की तस्वीर लेकर राजनीति की शुरूआत करने वाले केजरीवाल और उनकी पार्टी का आज असली चेहरा बेनकाब हो चुका है।

गौ माता के नाम पर दलितों की हत्या करने वाली भाजपा की सच्चाई, कूड़े के ढलाव पर कूड़ा खाती हैं गौ माता

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गौ माता के नाम पर दलितों की हत्या करने वाली भाजपा की सच्चाई यह है कि कूड़े के ढलाव पर कूड़ा खाती हैं गौ माता। एमसीडी में शासित भाजपा के नेताओं के संरक्षण में अवैध डेरियां चल रही हैं। जहां गायों का दूध निकालकर उन्हें फिर सड़कों पर कूड़ा खाने के लिए छोड़ दिया जाता है। दिल्ली सरकार से पैसा मिलने के बावजूद एमसीडी गायों का संरक्षण करने में फेल साबित हुई है। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में हर महीने करीब 250 एक्सीडेंट गायों की वजह से हो रहे हैं। लेकिन भाजपा की ओर से कोई कार्रवाई नहीं है। सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की गायों से संबंधित कई फोटो और वीडियो साझा कीं, जिसमें उनकी दर्दनाक सच्चाई साफ देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि वह गायों की दर्दनाक मृत्यु से संबंधित एक और प्रसवार्ता 21 दिसंबर को करेंगे। जिसके माध्यम से वह देश को भाजपा का असली चेहरा दिखाएंगे।

आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और ग्रेटर कैलाश से विधायक सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जैसा कि हमने कहा था कि आम आदमी पार्टी एक सीरीज शुरू कर रही है, जिसके जरिए हम आपको बताएंगे कि क्या-क्या काम हैं जो सीधे-सीधे दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आते हैं। और दिल्ली की जनता को पिछले 15 सालों से कैसे परेशान किया जा रहा है, उसकी सीरीज हम चला रहे हैं। आज की प्रसवार्ता उसी का दूसरा भाग है। आज हम बताएंगे कि किस प्रकार से दिल्ली में गायों पर अत्याचार हो रहा है। गाय, जिसे हिंदू संस्कृति में गौ-माता कहा गया है। वह गौ-माता, जिसके सींगो के लिए कहा जाता है कि उसमें ब्रम्हा, विषणु, महेश का वास है। उसके हर अंगर में किसी देवी-देवता का वास है। किसी की कोई कामना हो तो गौ-माता कि सेवा करने से वह कामना पूरी हो जाती है। मां के दूध के बाद गाय के दूध को सबसे उत्तम बताया जाता है। गौमूत्र हो या गाय का गोबर हो, भारतीय संस्कृति के हिंदू धर्म में उसे सबसे शुद्ध बताया गया है। देश-विदेश कहीं भी चले जाओ, एक मां को कूड़ा खिलाया जाता है, ऐसा आपने कहीं नहीं देखा होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली नगर निगम संस्कृति में गौ-माता को आप लोग कूड़े के खत्ते पर कूड़ा खाते कभी भी देख सकते हैं। किसी भी इलाके के कूड़े के खत्ते पर आप चले जाएं, वहां पर गौ-माता लोगों के घर से फेंका गया कूड़ा, पॉलिथीनों में भरा हुआ कूड़ा उसे खोलकर खाने की कोशिश करती हैं। और जब वह उसे नहीं खोल पाती हैं, तो वह पूरी पॉलिथीन निगल जाती हैं। उसके बाद वह पॉलिथीन उनकी आंतों में फंस जाती है और दर्दनाक मौत का कारण बनती है। ऐसा दिल्ली में आए दिन होता है, जिसके लिए सिर्फ और सिर्फ भाजपा शासित एमसीडी ज़िम्मेदार है। आज सुबह-सुबह मैंने सोचा कि कुछ फोटो मंगाई जाएं और थोड़ी देर के अंदर हमारे उत्तर दिल्ली नगर निगम, दक्षिण दिल्ली नगर निगम और पूर्वी दिल्ली नगर निगम के साथियों ने कूड़े के खत्तों पर कूड़ा खाते हुई गायों की ढेरों फोटो हमें भेजी। साथ ही आज जब मैं जिम से घर वापस जा रहा था तो रास्ते में मैंने देखा कि साउथ एक्स की सड़क पर गायें बैठी हुईं थी।

नई दिल्ली में चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन में भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी, जामयांग सेरिंग नामग्याल और तेजस्वी सूर्या।

एबी मोटोस द्वारा इलैक्ट्रिक व्हीकल्स की भव्य लॉन्चिंग

रवि शंकर तिवारी

उत्तर प्रदेश । लखनऊ के गोल्डन ब्लोजम रिजोर्टस में एबी मॉटस इलैक्ट्रिक व्हीकल की ग्रेंड लॉन्चिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस लॉन्चिंग पार्टी में संत महात्मा महामंण्डलेश्वर श्री श्री 1008 अनंत विभूषित परम पूज्य श्री अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज (श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा), महामण्डलेश्वर स्वामी श्री ईश्वर दास जी महाराज (राष्ट्रीय मंत्री, अखिल भारतीय संत समिति), महंत श्री गौरीशंकर दास जी महाराज (राष्ट्रीय प्रवक्ता, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद) ने शिरकत की। बॉलीवुड के सितारें त्रिशा खान (भोजपुरी अभिनेत्री), सत्येंद्र चौहान (भोजपुरी अभिनेता), खुशी ठाकुर, टीना घई, शियाना राहिल सन्सरा, महेश ठाकुर, काजल वशिष्ट सहित देश की टॉप मॉडल्स और एलाक्शी गुप्ता व राजनीति जगत से दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी, कुमार अशोक पाण्डेय, हर्षित पाण्डेय, न्यायधीश नवीन कुमार कुमावत (जिंद, हरियाणा) व एस्ट्रोलॉजर दिनेश मकवाना भी उपस्थित रहे।

एबी मोटोस इलैक्ट्रिक व्हीकल की विषेशताएंः-

एबी मोटोस कम्पनी सभी इलैक्ट्रिक व्हीकल्स भारत में निर्माण कर रही है। गैर प्रदूषित, 5 पैसे प्रति किलोमीटर की एवरेज, बैट्री की 3 साल की वॉरंटी के साथ, रिवर्स गेयर, क्रुच कंट्रोल, डबल डिस्क ब्रेक, बेस्ट टायर क्वालिटी 3 साल वॉरंटी के साथ, मेनटेंस फ्री, एलॉय व्हील्स सहित कई नई तकनीकों के साथ अपने व्हीकल्स लॉन्च कर रही है। एबी मोटोस इलैक्ट्रिक व्हीकल ने दिव्यांगो के लिए स्पेशल व्हीकल, स्कूटर, ई-रिक्शा, बाईक और अन्य मॉडल भी लॉन्च किये हैं।

लॉन्चिंग के इस अवसर पर एबी मोटोस कम्पनी के चेयरमैन डॉ अभय बंसल, डायरेक्टर सार्थक बंसल, लीगल एडवाईजर रिषभ जैन सहित पूरी टीम ने अपना भरपूर योगदान दिया। सभी गणमान्य अतिथियों ने एबी मोटोस इलैक्ट्रिक व्हीकल्स की भरपूर सराहना की। इस अवसर पर सभी गणमान्य अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। एबी मोटोस कम्पनी के चेयरमेन डॉ अभय बंसल ने कहा कि ग्रेंड लॉन्चिंग में उपस्थित सभी अतिथियों ने अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होनें इलैक्ट्रिक व्हीकल के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल नीति के तहत ही इन इलैक्ट्रिक व्हीकल्स का निर्माण भारत में किया गया है।

डायरेक्टर सार्थक बंसल ने कहा कि इन व्हीकल्स को लॉन्च करने का मकसद प्रदूषण मुक्त नए भारत के निर्माण में योगदान देना है। कम्पनी के लीगल एवाईजर रिषभ जैन ने कहा कि यह व्हीकल दिल्ली में प्री-लॉन्चिंग व लखनऊ में ग्रेंड लॉन्चिंग के बाद पूरे भारत में एबी मोटोस की इलैक्ट्रिक व्हीकल्स लॉन्च करेगी।

बिल्डर माफिया से मिलीभगत के कारण दिल्लीवाले जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर हैः अनिल कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की निष्क्रियता के कारण दिल्लीवाले जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है। प्रदूषण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए केजरीवाल सरकार ने भ्रष्टाचार के चलते बिल्डर माफिया के दवाब में आकर राजधानी में निर्माण कार्यों पर पांबदी हटा दी। उन्होंने कहा कि 16 दिसम्बर को सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाते हुए एनजीटी को प्रदूषण कम करने की दिशा में स्थाई उपाय अपनाने के आदेश दिए है। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि कोविड संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण राजधानी में स्थिति चिंताजनक है और इससे बेपरवाह केजरीवाल दिल्ली से लगातार बाहर है। अनिल कुमार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद दिल्ली सरकार ने निष्क्रियता अपनाते हुए प्रदूषण कम करने की दिशा में कोई स्थायी कार्यवाही न करने के बाद ऐसा लगता है कि दिल्ली सरकार को दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य की कोई चिंता नही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में दमघोटू जहरीली हवा पर जब कांग्रेस पार्टी ने सवाल उठाए तो सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद निर्माण कार्यों पर दोबारा बेन लगाया गया। परंतु ट्रांसपोर्ट विभाग के अधिकारियों तथा ट्रेफिक पुलिस की निगरानी में डीजल के ट्रक भ्रष्टाचार के चलते राजधानी में खुले आम एंट्री कर पा रहे है। अनिल कुमार ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल दिल्ली की समस्याओं को अधर में छोड़ अपने चुनावी दौरे पर पंजाब और उत्तराखंड में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री पर चुनावी आरोप लगाने की बजाय दिल्ली में कंस्ट्रक्शन माफिया के साथ मिलीभगत के कारण बिगड़ते वायु प्रदूषण पर दिल्ली की जनता को जवाब दें। उन्होंने कहा कि दिल्ली की हवा बेहद खराब श्रेणी की प्रदुषित वायु के चलते स्कूल, कॉलेज व शिक्षण संस्थान बंद है लेकिन मुख्यमंत्री ने अपने कर्तव्यों का उलंघन करते हुए बिल्डर माफिया के दवाब में आकर दिल्ली वालों की सांसों का सौदा किया है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकताओं के साथ बूथ मेनेजमेंट कमेटी की बैठक भविष्य के लिए चर्चा की गई। चौ0 अनिल कुमार के निदेश पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बूथ मेनेजमेंट कमेटी के चैयरमेन राजेश गर्ग ने आज प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बैठक की। जिसमें वरिष्ठ नेताओं से बूथ मेनेजमेंट कमेटी के संगठनात्मक कार्यों व गठन पर विस्तृत चर्चा की व उनके सुझाव भी लिए।

संपादकीय

हमले के सबक

हाल ही की अन्य आतंकी घटनाओं के क्रम में बीते सोमवार को श्रीनगर के बाहरी इलाके में एक पुलिस बस पर हुआ आतंकी हमला चिंता बढ़ाने वाला है। सवाल इस हमले की टाइमिंग को लेकर भी है क्योंकि आतंकवादियों ने वह दिन चुना जिस दिन बीस साल पहले पाक पोषित आतंकवादियों ने देश के लोकतंत्र के मंदिर पर हमला बोला था। इस हमले ने पूरे देश के सुरक्षा तंत्र को हिला कर रख दिया था। हमले के लिये इसी दिन को चुनने से आतंकवादियों के दुस्साहस का भी पता चलता है। हमलावरों के छोटे समूह ने पच्चीस पुलिसकर्मियों को ले जा रही बस पर फायरिंग की। विडंबना है कि दो-तीन आतंकवादी बस पर हमला करने के बाद अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। बिना बुलेटप्रूफ व्यवस्था के इतनी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों का ले जाना सबक देता है कि सुरक्षा बलों की सुरक्षा में चूक कदापि स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। बताया जाता है कि जैश-ए-मोहम्मद की एक शाखा माने जाने वाले अल्पज्ञात संगठन कश्मीर टाइगर्स द्वारा घात लगाकर यह हमला किया गया, जिसमें एक सहायक उप-निरीक्षक और दो कांस्टेबलों की जान चली गई। उल्लेखनीय ही है कि जैश-ए-मोहम्मद द्वारा फरवरी, 2019 में किये गये पुलवामा हमले में सुरक्षाबलों ने बड़ी क्षति उठायी थी और घटना में 40 सीआरपीएफ जवानों की जान चली गई थी। बहरहाल, सोमवार को श्रीनगर के बाहर पुलिसकर्मियों पर हुआ हमला बांदीपोरा जिले में आतंकवादियों द्वारा दो पुलिसकर्मियों की हत्या किये जाने के कुछ दिन बाद सामने आया जो बताता है कि आतंकवादी सुनियोजित साजिश के तहत पुलिसकर्मियों को निशाना बना रहे हैं ताकि आतंकवादियों से निपटने में सुरक्षाबलों को स्थानीय पुलिस व लोगों का सहयोग न मिल सके। बहरहाल, आतंकवादी हमलों की ये घटनाएं यह भी बताती हैं कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 के निरस्त होने के दो साल से अधिक समय बीतने के बावजूद केंद्रशासित प्रदेश में सामान्य स्थिति बनने में कुछ और वक्त जरूर लगेगा।
दरअसल, ऐसे वक्त में जब सीमा पर सेना व सुरक्षाबलों की चौकसी कड़ी हुई है, सीमापार बैठे आतंकवादियों के आका लगातार रणनीति बदलकर घाटी में शांति के प्रयासों को बाधित करने का प्रयास कर रहे हैं। विगत अक्तूबर में भी गैर-मुस्लिम स्थानीय निवासियों व प्रवासी श्रमिकों की लक्षित हत्याएं की गई थीं। मकसद यही था कि घाटी में सामाजिक समरसता के प्रयासों को पलीता लगाया जाये। कुछ उसी अंदाज में, जिसमें बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को घाटी से खदेड़ा गया था। जिसके बाद आतंकवादियों के खात्मे के लिये सुरक्षा बलों को कई अभियान चलाने पड़े। वहीं, दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन वर्षों यानी 2019-21 में घाटी में नागरिकों की मौतों की संख्या चालीस के आसपास प्रतिवर्ष रही है। वहीं सुरक्षाकर्मियों की मृत्यु दर में गिरावट दर्ज की गई है। बहरहाल, सोमवार को पुलिस की बस पर हमले से यह साफ हो जाता है कि सुरक्षा बल अपनी सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठा सकते। भाजपा के नेतृत्व वाली राजग की केंद्र सरकार लगातार कहती रही है कि वह जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही अगले साल जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने के संकेत दे रही है। ऐसे में पाक समर्थित विघटनकारी तत्व लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा डालने के लिये हिंसा का सहारा ले सकते हैं। ऐसे में केंद्र सरकार की दोहरी जिम्मेदारी बन जाती है कि वह एक ओर जहां सीमा पर घुसपैठ पर अंकुश लगाये, वहीं दूसरी ओर आतंकवादियों को स्थानीय समर्थन से वंचित करने के लिये विश्वास बहाली के लिये सार्थक पहल करे। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनयिक प्रयासों से आतंकवाद का पोषण करने वाले देशों पर नकेल डालने का भी प्रयास करना चाहिए। भारत की मान्यता रही है कि सीमा पार के आतंकवाद से निपटने के लिये राष्ट्रों के बीच अधिक सहयोग होना चाहिए। ऐसे में प्रयासों के क्रम में अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

परेशानी बढ़ाता खुलासा

खीमपुर खीरी कांड में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने खुलासा किया है कि तीन अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र के पुत्र आशीष मिश्र ने साजिश के तहत किसानों को जान से मारने की नीयत से अपनी एसयूवी से कुचला था। घटना में और बाद में भड़की हिंसा में एक पत्रकार समेत 5 लोगों की जान चली गईथी। मरने वालों में चार किसान थे। इस खुलासे के बाद आरोपी आशीष समेत 13 लोगों के खिलाफ अब यह पूरा केस नये सिरे से चलेगा। सबसे बड़ी बात यह कि अब आरोपियों को जमानत मिलने में खासी दिक्कत दरपेश होगी। एसआईटी ने इसे गैर-इरादतन हत्या के बजाय हत्या का मामला माना है, और सुसंगत धाराओं में केस दर्ज करने की अनुमति भी अदालत से ले ली है। गौरतलब है कि इस घटना से समूचा देश सन्न रह गया था। मंत्री पुत्र का नाम घटना में आने से राजनीति भी गरमा गई थी। निकट भविष्य में उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने हैं, इसलिए विपक्ष को सरकार पर हावी होने का मौका हाथ लग गया था। उस समय किसान आंदोलन भी तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहा था। ऐसे में माना जा रहा था कि तत्काल सक्रियता नहीं दिखाईतो प्रदेश सरकार के समक्ष मुसीबत की घड़ी होगी। इसलिए आनन फानन में प्रदेश सरकार ने इस मामले में दर्ज दो प्राथमिकियों की जांच के लिए 9 सदस्यीय एसआईटी का गठन कर दिया था। लेकिन एक ही मामले की दो प्राथमिकी होने और जांच की गति धीमी होने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई। शीर्ष अदालत ने विशेष जांच दल का पुनर्गठन किया था। बहरहाल, अब केंद्र में मंत्री अजय मिश्र की परेशानी बढ़ गई है। उनके इस्तीफे के मांग शुरू से ही विपक्षी दल करते रहे हैं, लेकिन अब हुए खुलासे से उनके इस्तीफे की मांग ने फिर से जोर पकड़ लिया है। गौरतलब है कि घटना के दो दिन बाद 5 अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र ने कहा था, 'मैं लगातार अपनी बात रख रहा हूं। हमारे पास यह साबित करने के सबूत हैं कि न तो मैं और न ही मेरा बेटा घटनास्थल पर मौजूद था। अगर मेरे बेटे की मौजूदगी का प्रमाण साबित हो जाए तो अभी मंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा।' बहरहाल, इस घटना को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय विशुद्ध आपराधिक कृत्य के रूप में देखा जाना चाहिए। इसलिए दोषियों को बख्शा नहीं जा सकता। मंत्री को भी पद से इस्तीफा देकर शक-शुबहे की कोईगुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए।

कटाक्ष/ सहीराम

वो तो चले गए

वो किसान जो एक साल से दिल्ली के बॉर्डरों पर धरना दिए बैठे थे, रोज जलसे-जुलूस कर रहे थे, नारेबाजी कर रहे थे, वे तो चले गए हैं। जहां एकदम रौनक सी लगी रहती थीं, अब वे बॉर्डर सूने हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि अब दिल्ली में जाम नहीं लगेगा। लोग समय पर अपने-अपने काम पर पहुंचेंगे। क्योंकि शिकायत तो उन्हीं से थी कि उनकी वजह से लोग समय पर काम पर नहीं पंहुच पाते। तो अब अपनी शिकायत पर मिट्टी डालिए, क्योंकि वे चले गए हैं। कहते हैं जहां उनके धरने थे, स्टेज थे, लंगर थे, ट्रैक्टर खड़े थे, झोपड़ियां थीं, वहां सड़कें टूट गई हैं, सर्विस लेनों में गड्ढे पड़ गए हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि देश में बाकी सब जगह सड़कें चकाचक होंगी। कहीं गड्ढे नहीं होंगे। लेकिन जी, ये सड़कें इतनी कच्ची क्यों थीं। क्योंकि उन्हें रोकने के लिए जो दीवारें बनाई गई थीं, वे तो बहुत पक्की हैं और कहते हैं कि उन्हें तोड़ने में कई दिन लगेंगे। उन्हें रोकने के लिए जो कीलें बिछाई गई थीं, उन्हें हटाने और खाइयों को पाटने में वक्त लगेगा। उन्होंने सड़कें तो तोड़ी या नहीं, पता नहीं, लेकिन कइयों का गरूर जरूर तोड़ गए। उन्हें सचमुच कीलों की सेज पर सुलाकर चले गए।
जो सरकार को फूटी आंख नहीं सुहाते थे। जिन्हें मंत्री-संतरी सब लुच्चा, लंफगा और मवाली कहते थे, सरकार वाले देशद्रोही और खालिस्तानी कहते थे, कहते थे कि उन्हें चीन और पाकिस्तान की शह हासिल है, मीडिया जिनके बारे में कहता था कि वे खीर हलवा उड़ा रहे हैं, पिज्जा खा रहे हैं, ऐश कर रहे हैं, वे चले गए हैं। वैसे तो वे अपने धरना स्थलों को भी साफ करके गए हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह कि वे अपने ऊपर लगी सारी तोहमतों को साफ करके गए हैं। जिन्हें साल भर तक किसान नहीं माना गया, वे अपने को किसान मनवा कर गए हैं। कभी न झुकने वालों को ही झुकाकर गए हैं। वे हमेशा जीतने वालों से ही जीतकर गए हैं और शायर के शब्दों में कहें तो साबित करके गए हैं कि न उनकी हार नई है, न अपनी जीत नई। चले गए हैं, लेकिन अपनी उपस्थिति के अहसास को छोड़ गए हैं। आगाह करके गए हैं कि हमसे किए वादे पूरे नहीं हुए तो फिर आएंगे। आएंगे या नहीं। लेकिन दिल्ली के बॉर्डरों पर एक इतिहास की तरह रहेंगे। दिल्ली आते-जाते जब भी कोई बॉर्डर से गुजरेगा, उन्हें याद करेगा कि वे एक साल तक यहां पर रहे। गर्व के साथ, गरिमा के साथ, जीवट के साथ, जीत के विश्वास के साथ और उम्मीद के साथ और अंततः वे सही साबित होकर गए।

ढाई सौ साल बाद बेमिसाल विकास

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

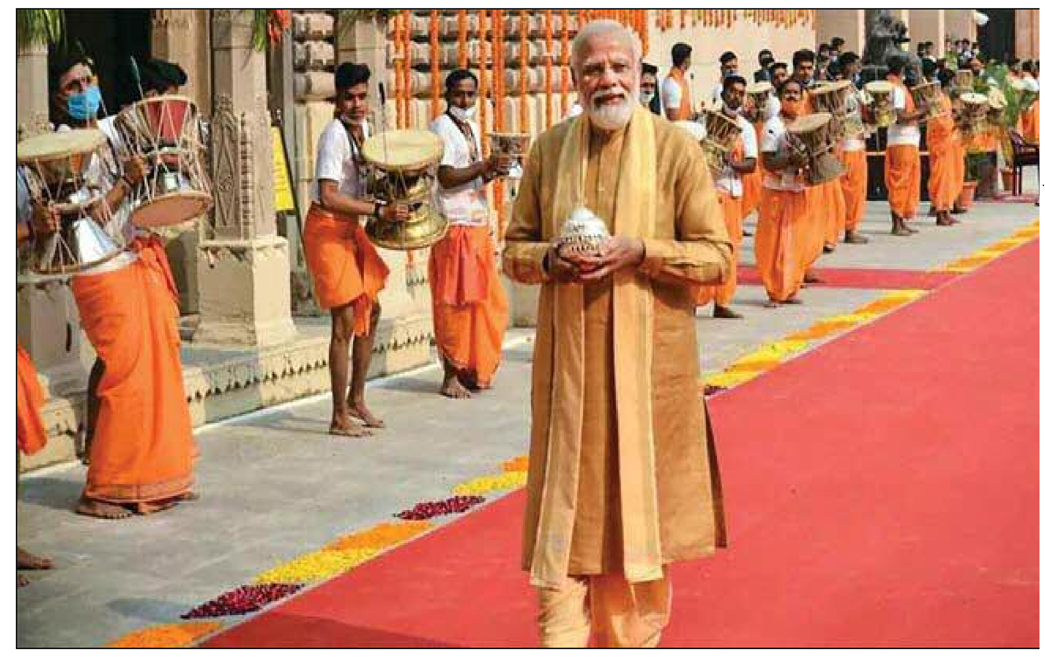

सदियों बाद गरिमा के अनुरूप काशी का प्रगति पथ प्रशस्त हुआ। इस दृष्टि से विगत सात वर्ष महत्वपूर्ण रहे। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के पहले ही यहां के विकास की कल्पना की थी। शायद इसीलिए उन्होंने काशी यात्रा के दौरान कहा था कि मैं यहां आया नहीं हूं बल्कि मां गंगा ने बुलाया है। यह भी संयोग था कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के तीन वर्ष बाद योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उसके बाद यहां के विकास कार्यों को गति मिली।
यह कार्य शासन की रूटीन गतिविधियों से संभव नहीं था। इसके लिए तीर्थ स्थल विकास का भावनात्मक धरातल भी आवश्यक होता है। कार्य तो पहले भी हुए किंतु काशी को विश्वस्तरीय तीर्थाटन स्थल के रूप में प्रतिष्ठित करने का विचार और विजन पहले नहीं था। नरेंद्र मोदी ने काशी को क्योटो की तरह सुविधा संपन्न बनाने का संकल्प लिया था। इसके पीछे काशी को पौराणिक महिमा के अनुरूप विकसित करने का ही विचार था। दुनिया की सर्वाधिक प्राचीन इस नगरी के प्रति देश-विदेश के असंख्य लोगों की आस्था है। स्वतंत्रता के बाद से ही काशी के समग्र विकास का अभियान प्रारंभ होना चाहिए था किंतु ऐसा नहीं हो सका। जबकि इसी अवधि में क्योटो जैसे दुनिया के अनेक नगरों को विश्वस्तरीय बना दिया गया। करीब ढाई शताब्दी के बाद आस्था के प्रमुख केंद्र श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। महारानी अहिल्या बाई होल्कर द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनरुद्धार कराया गया था। उनके बाद नरेंद्र मोदी ने इसका संकल्प लिया। यह संकल्प अब साकार हुआ है। नरेंद्र मोदी द्वारा श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर लोकार्पण किया गया। इसके दृष्टिगत पहले से पर्व की भांति भव्य काशी दिव्य काशी कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार काशी पहुंच कर संबंधित तैयारियों को देखा और समीक्षा की थी। अधिकारियों को समयबद्ध कार्य करने के लिए निर्देशित किया था।

> "आज काशी विश्वनाथ धाम का अलौकिक, भव्य एवं दिव्य रूप में प्रतिष्ठित है। योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया।"

गंगा घाटों के साथ शहर की प्रमुख इमारतों व सरकारी भवनों की विशेष रूप से सजावट एवं लाइटिंग कराई गई। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में डिजिटल डोनेशन की व्यवस्था की गई। काशी का डिजिटल मैप बनाया गया। भजन कीर्तन मंडलियों को संस्कृति विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फाइन आर्ट के छात्र-छात्राएं शहर के प्रमुख स्थानों पर अपनी पेंटिंग्स का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन पूरे एक माह तक किए जाने की रूपरेखा बनायी गई है। काशी के पुनरुद्धार और श्री काशी विश्वनाथ धाम के इतिहास की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाएगी।
योगी आदित्यनाथ ने जनपद वाराणसी के सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर क्षेत्र के पर्यटन विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुसार सीर गोवर्धन के पर्यटन विकास का कार्य करोड़ों रुपये की लागत से कराया जा रहा है। सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर के निकट परियोजना विस्तारीकरण कार्य प्रगति पर है। यहां उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा लंगर भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। पार्क निर्माण के लिए अब तक साठ प्रतिशत जमीनों का अधिग्रहण किया जा चुका है। यहां श्री गुरु रविदास की कांस्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा अनुयायियों व दर्शनार्थियों के सुगम यातायात हेतु तीन मार्गों, ट्रॉमा सेंटर से संत रविदास मंदिर मोड़ तक, रविदास मंदिर मोड़ से नेशनल हाइवे तक सड़क का सुदृढ़ीकरण तथा रविदास मंदिर से लंगर हाल होते हुए नेशनल हाइवे तक सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है।
लोकर्पण की पूर्व संध्या पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ धाम से काशी को वैश्विक पहचान मिलेगी। लगभग सौ वर्ष पहले महात्मा गांधी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में आए थे। उस उन्होंने यहां की गलियों और दुर्व्यवस्था को देखकर तीखी टिप्पणी की थी। उन्हें यहां की दशा देखकर निराशा हुई थी। किंतु इन सौ वर्षों तक किसी का ध्यान उस ओर नहीं गया।
श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का अपना प्राचीन इतिहास है। लगभग एक हजार वर्षों तक इस मंदिर ने अनेक दौर देखे हैं। विदेशी आक्रांताओं के हमले को भी झेला है। मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु महारानी अहिल्या बाई, महाराणा रणजीत सिंह ने अपने-अपने समय में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज काशी विश्वनाथ धाम का अलौकिक, भव्य एवं दिव्य रूप में प्रतिष्ठित है। योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया।
(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शराब के राजस्व पर सवाल

खुशहाली के तार्किक मॉडल की हो तलाश

लक्ष्मीकांता चावला

पंजाब सरकार वर्ष 2021-22 की शराब की कमाई के आंकड़ों को लेकर बहुत उत्साहित है। सरकार को प्रसन्न होने के लिए बड़ी मुश्किल से एक ही विषय मिला और वह है इस वर्ष शराब से सात हजार करोड़ से भी ज्यादा कमाई होने के आसार। वैसे तो सरकार को कहीं से अच्छा समाचार नहीं मिल रहा। सरकार विरोधी नारे, सरकार हाय-हाय, साड्डे हक ऐत्थे रख, धरना जाम, लाठीचार्ज आदि के समाचारों से त्रस्त सरकार बाग-बाग हो गई। जब यह सुनिश्चित हो गया कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष शराब से आमदनी का अनुमान सात हजार करोड़ से ज्यादा हो गया है और कांग्रेस के नवजोत सिद्धू का कहना है कि शराब की आमदनी बढ़ाने का पंजाब मॉडल बहुत कामयाब है। उन्होंने कहा कि शराब से सरकार को तीन हजार करोड़ रुपये आय प्राप्त हो रही है, जिसे पंजाब मॉडल में बढ़ाकर तीस हजार करोड़ रुपया किया जाएगा। इससे पंजाब में खुशहाली लाई जा सकती है। अब प्रश्न यह है कि सरकारी खुशहाली की परिभाषा क्या है? एक साधारण, मध्य वर्ग या आर्थिक दृष्टि से निम्न वर्ग के परिवार में शाम को जब परिवार का मुखिया, माता या पिता थोड़ा राशन, फल, सब्जी लेकर घर लौटता है तो परिवार में सभी के चेहरों पर एक मुस्कान होती है। रसोई गर्म होती है। सब मिल-बैठकर रूखे-सूखे भोजन का आनंद भी छप्पन भोग की तरह लेते हैं, पर इसके विपरीत अगर परिवार का मुखिया, भाई-बेटा या पिता शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचे, गाली निकाले, पत्नी की पिटाई शुरू कर दे, बच्चे और बूढ़े माता-पिता सहम कर एक कोने में छिप जाएं तो वह सरकार के लिए खुशहाली हो सकती है, क्योंकि ऐसे लोगों के ठेके से बोतल खरीदने के साथ ही सरकारी खजाना भरना शुरू हो जाता है, पर परिवारों का खजाना खाली होता है। इसकी चिंता किसी को नहीं। शराब की कमाई पर जश्न मनाने वाले कभी उन परिवारों का ध्यान नहीं करते जहां हर रात कलह क्लेश के साथ आती है। जहां शराबी और नशेड़ी परिजनों के कारण बच्चों के स्कूल छूटते हैं। जहां बेटियां शराबी बाप के कारण अच्छे वर घर से वंचित रह जाती हैं। काश! उस लड़की की पुकार इन शासकों ने सुनी होती, जिसने सिलाई-कटाई सीखते हुए अपनी सहपाठिनों के सामने ही रोते हुए कहा कि पिता के घर से शराब की मार खाते खाते ससुराल पहुंची। अब वहां भी मेरी किस्मत वही है जो मेरी मां की मेरे मायके में है। केवल भाषणी संवेदना प्रकट करने वाले और सरकारी खजाने से कभी-कभी मृतकों के परिवारों को मुआवजा देने के नाम पर मजाक करने वाले इन सत्तापतियों ने उन परिवारों की पीड़ा को महसूस ही नहीं किया जो शराबी ड्राइवर के वाहन से टकराकर मौत के मुंह में चले गए या शराब पीने के कारण कैंसर और जिगर की बीमारियों के शिकार होकर कफन ओढ़ गए।
आजकल हर रोज समाचार मिलता है कि जन्मदिन की पार्टी में, विवाह के उत्सव में या दोस्तों के जश्न में झगड़ा हुआ, गोली चली, एक-दो की मौत हो गई और फिर पीछे रह जाते हैं रोते-बिलखते परिवार या कानूनी कार्रवाई के नाम पर पुलिस थानों के धक्के या धरने न्याय पाने के लिए।
पिछले दिनों अकाली दल के नेताओं ने आप के एक सांसद को शराबी कहा, बवाल हो गया और आप पार्टी के नेताओं ने इसे गाली समझा।
दरअसल, पंजाब मॉडल तो घरेलू उद्योग-धंधों का छोटे उद्योगों का रहा है। क्या कांग्रेस और अकाली नेताओं को याद है कि अमृतसर में गर्म कपड़े और कंबलों का बहुत बड़ा उद्योग था। क्या यह याद है कि मंडी गोबिंदगढ़ को भारतीय मानचेस्टर कहा जाता था। हमारा लुधियाना गर्म कपड़ों, हौजरी के लिए विश्वप्रसिद्ध रहा है। सारी इंडस्ट्री उजाड़कर खेती को भूलकर केवल शराब के सहारे खुशहाली लाना वैसे ही है जैसे अपने घर को आग लगाकर सर्दी से बचने का प्रयास करना। आज पंजाब के बच्चों को गुड़गांव से लेकर बंगलोर, चेन्नई और पुणे तक नौकरी पाने के लिए जाना पड़ता है। उच्च शिक्षित इंजीनियर्स कंप्यूटर विशेषज्ञों के लिए पंजाब में कोई काम ही नहीं। इस सरकारी आने वाली खुशहाली से ही शायद डरे-डरे बच्चे विदेशों में रोटी कमाने और सुनहरी भविष्य की आशा में भटक रहे हैं, बस रहे हैं। पंजाब में कानूनी अव्यवस्था से लोग त्रस्त हैं।
पंजाब धर्म-कर्म की भूमि है। लंगर, दान-स्नान और जीवन देने वाली नदियों का केंद्र है। इसे शराब का केंद्र बनाना और शराब के बल पर ही सरकार चलाने की घोषणा करने वाली सरकार से अभी से सावधान हो जाएं।

बांग्लादेश

पाकिस्तान का रिसता घाव

डॉ. ब्रहादीप अलूने

पूर्वी पाकिस्तान में भारतीय सेना की 1971 की कार्रवाई को 'द लाइटिनंग कैंपेन' का नाम दिया गया था। भारत के लिए यह बेहद जटिल सैन्य अभियान था, जिसके लिए बहुत उच्च स्तर की सैनिक, कूटनीतिक, राजनैतिक, सामाजिक और प्रशासनिक तैयारी की जरूरत थी। 16 दिसम्बर, 1971 को बांग्लादेश के विश्व नक्शे पर उभरने के बाद, इस पूरे अभियान का कई देशों के सैन्य संस्थानों में अध्ययन किया जाता है। नेशनल डिफेंस कॉलेज ऑफ पाकिस्तान के जंगी दस्तावेज में भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 के इस समूचे युद्ध पर कुछ इस तरह लिखा गया है कि हिंदुस्तानियों ने पूर्वी पाकिस्तान के खिलाफ हमले का खाका तैयार करने और उसे अंजाम देने में बिल्कुल ऐसे पक्के ढंग से काम किया था जैसे किताबों में लिखा होता है। यह जंग सोच समझ कर की गई तैयारी, बारीकी से बैठाए गए आपसी तालमेल और दिलेरी से अंजाम देने की बेहतरीन मिसाल है।
दरअसल, 16 दिसम्बर, 1971 को यह खबर दूर तक फैल चुकी थी कि पाकिस्तान की सेना भारतीय सेना के सामने हथियार डालने वाली है। ढाका के रेसकोर्स मैदान में इसके लिए आत्मसमर्पण समारोह का आयोजन किया गया। सुबह से ही लाखों लोग इस मैदान पर जमा होने लगे। पाकिस्तानी सैनिकों के अत्याचारों से बांग्ला जनता बहुत गुस्से में थी और किसी अनहोनी को लेकर आशंकाएं भी जताई जा रही थीं। रेसकोर्स का यह वही मैदान था जहां बंग बंधु शेख मुजीब ने मार्चग 1971 में ही स्वतंत्र बंगलादेश का नारा लगाकर पाकिस्तान से अलग होने की घोषणा कर दी थी। हालांकि उन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया था।
16 दिसम्बर का दिन ढलता जा रहा था कि करीब 4 बजे पूर्वी कमान के सेनापति जनरल जेएस अरोड़ा हेलीकॉप्टर से ढाका के तेजगांव हवाई अड्डे पर पहुंचे। पाकिस्तान की सेना के ले. जनरल नियाजी तथा मेजर जनरल फरमान अली ने उनका स्वागत किया। यह बेहद दिलचस्प है कि जनरल अरोड़ा और जनरल नियाजी, दोनों ने ही देहरादून के सैनिक स्कूल से साथ शिक्षा पाई थी और अच्छे दोस्त भी थे। वे 24 साल बाद मिले। वह भी दुश्मन देशों की सेना में जनरल के तौर पर लेकिन दोनों गर्मजोशी से मिले और एक दूसरे के परिजनों का हालचाल पूछा। इस समय हजारों ढाकावासी हवाई अड्डे पर जमा हो गए थे और उन्होंने जनरल अरोड़ा को फूलों से लाद दिया था। लोग जय भारत, जय बांग्ला और जय इंदिरा के नारे लगा रहे थे। विदेशी पत्रकारों ने कहा कि उन्होंने किसी अन्य देश के जनरल का ऐसा स्वागत और किसी देश में नहीं देखा। रेसकोर्स मैदान में लाखों की भीड़ के बीच से बड़ी मुश्किल से पाकिस्तान के ले. जनरल नियाजी तथा मेजर जनरल फरमान अली को ऊंचे मंच पर ले जाया गया। बांग्ला जनता पाकिस्तानी अफसरों को जोर-जोर से गालियां देकर मार डालने की बात कह रही थी।
रुआंसे जनरल नियाजी ने आत्मसमर्पण के पत्र पर हस्ताक्षर किए, उनके हाथ कांप रहे थे और पेन भी उन्हें जनरल अरोड़ा ने दी थी। आत्मसमर्पण पर हस्ताक्षर करके परंपरा के अनुसार ले. जनरल नियाजी ने अपने कंधे से अपने पद के चिह्न फाड़े। अपनी पिस्तौल से गोलियां निकाल कर जनरल अरोड़ा को दीं तथा झुककर जनरल अरोड़ा के माथे से माथा रगड़ा। इस प्रकार कुछ ही मिनटों में आत्मसमर्पण समारोह समाप्त हो गया और इसके साथ ही स्वतंत्र बांग्लादेश का जन्म हुआ।
बांग्लादेश के बन जाने से भारतीय उपमहाद्वीप में दो की जगह तीन देश हो गए और राजनीतिक नक्शा ही बदल गया। लगभग 55 हजार वर्ग मील के पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बन जाने से भारत की 4712 किमी. लंबी सीमा रेखा पर दुश्मन का आमना-सामना सदैव के लिए समाप्त हो गया जिससे हमारे सैन्य खर्च का बड़ा हिस्सा अन्य विकास कार्यों में लगाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। जमीन गंवाने के साथ ही महह्मवपूर्ण आतथक संसाधनग गंगाग ब्रह्मपुत्र और मेघना नदी का डेल्टा, चावल और पटसन की खेती जैसी प्राकृतिक धरोहर हमेशा के लिए पाकिस्तान से अलग हो गई, जिससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था हमेशा के लिए गर्त में चली गई। वास्तव में 16 दिसम्बर, 1971 को अपमान भरी पराजय के साथ ही बांग्लादेश के रूप में जो घाव भारत ने दिया यही दर्द पाकिस्तान को कभी चैन से नहीं बैठने देता। इस करारी पराजय के बाद पाकिस्तान ने भारत से आमने सामने के युद्ध को खत्म कर छद्म युद्ध लड़ने की रणनीति अपनाई और वह रणनीति आज भी बदस्तूर जारी है। हालांकि इसमें भी उसके हाथ निराशा लग रही है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, बिजनौर में स्वीप के अंतर्गत महिला मतदाता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा सामूहिक रूप से अपने मताधिकार का शत प्रतिशत रूप से प्रयोग करने की दिलाई गई शपथ

संवाददाता

बिजनौरआजिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आज राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, बिजनौर में स्वीप के अंतर्गत महिला मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी द्वारा विधिवत रूप से फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों, अध्यापकों एवं छात्राओं को सामूहिक रूप से मताधिकार का शत प्रतिशत प्रयोग करने की शपथ ग्रहण कराई गई। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार, कॉलेज की प्रधानाचार्या, कॉलेज के अध्यापक गण एवं स्टाफ कर्मचारी सहित स्कूल की छात्राएं मौजूद थीं।

जिलाधिकारी श्री मिश्रा ने अध्यापकों का आह्वान किया कि मतदान की जागरूकता के लिए कॉलेज में समय-समय पर नुक्कड़ नाटक, रंगोली तथा चित्रकला, पेंटिंग, स्लोगन, प्रतियोगिता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाय। इसी के साथ उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिक्षण संस्थाओं में स्वीप से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन करें जिसमें मत के महत्व एवं मतदाता के अधिकार व कर्तव्य सम्बन्धी विषय पर वाद-विवाद, निबंध, भाषण आदि विषयों को विशेष रूप से शामिल किया जाए तथा स्वीप के तहत जिले भर में होर्डिग्स, पोस्टर, स्टीकर्स के माध्यम से मतदाताओं से मताधिकार का उपयोग करने की अपील की जाए और कैंडल मार्च, वाहन रैली, मानव श्रृंखला, मतदान प्रतिज्ञा आदि कार्यक्रमों के माध्यम से भी जिले के मतदाताओं तक मतदान के महत्व को जागरूक करे

सर्दी की शुरुआत होते ही की सपा जिला उपाध्यक्ष खुर्शीद मंसूरी ने किये कम्बल वितरित

संवाददाता

नजीबाबाद। कस्बा साहनपुर मे स्थित इण्डियन मैरिज गार्डन मे कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

शानिवार देर शाम समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष खुर्शीद मंसूरी के द्वारा जरूरत मंदो को कम्बल वितरित करे गये।कार्यक्रम की अध्यक्षता हाजी इकबाल व संचालन तसनीम सिद्दीकी के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम मे नजीबाबाद नगरपालिका के पूर्व चैयरमेन एडवोकेट मोअज्जम खाँ ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष खुर्शीद मंसूरी पिछले काफी वर्षाँ से सर्दी से बचाव हेतु गरीब व जरुतमंदो को कम्बल वितरण करते रहते है। ओर उन्होंने कहा कि साहनपुर नगरपांचयत खुर्शीद मंसूरी का बहुत बड़ा दिल है कि वह बिना किसी पद के रहते हुए भी समय समय पर जरूरतमंदो के लिए आगे बढ़ कर उनकी मदद करते है।

कोरोना महामारी मे भी जनता के बीच रहकर बढ़ चढ़कर जरूतमदो की मदद करी थी।शानिवार देर शाम साहनपुर कस्बे मे स्थित इंडियन मैरिज गार्डन मे आयोजित कार्यक्रम मे गरीबो व जरूरतमदो को 1000 कम्बल वितरित किये गए। सपा जिला उपाध्यक्ष खुर्शीद मंसूरी ने बताया कि जन सेवा दृढ़ संकल्प के साथ लम्बे समय से निरंतर जनता की सेवा कर रहा हू ।और आगे भी करता रहूगा। साथ ही अपने संबोधन मे समाजवादी पार्टी की उपलब्धियों को गिनवाते हुए। जनता से सन 2022 मे समाजवादी पार्टी को वोट करने की अपील करी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश मे आने वाली सरकार समाजवादी पार्टी की सरकार है। ओर उत्तर प्रदेश मे पूर्णँ बहुमत से सरकार बनने जा रही है। ओर माननीय अखिलेश यादव जी उत्तर प्रदेश के दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मे किसान , युवा, गरीब सभी वगँ के लोग परेशान है। कार्यक्रम मे नजीबाबाद नगरपालिका पूर्व चेयरमैन एडवोकेट मोअज्जम खाँ,समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता तसनीम सिददीकी, सपा युवा नेता शाहबाज खान, कल्लू खलिफा, छोटू उस्ताद, हाजी इकबाल संदर, नौशाद , जाफर सलमानी, जाकिर मलिक, शफीक मलिक, नदीम खान, माजिद बेग, काफिल अंसारी , इमरान मंसूरी, अरशद मंसूरी, शकील मेम्बर, मुजफ्फर अली सभासद, रईस मलिक, फैजान आलम , मुस्तकीम मंसूरी , सरफराज मंसूरी आदि उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव से पूर्व पुलिस ने की पूरी तैयारी

संवाददाता

स्योहारा। आने वाले विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए पुलिस विभाग ने अपनी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली हैं। यह जानकारी देते हुए थाला प्रभारी आशीष कुमार तोमर ने बताया कि क्षेत्र के अंतर्गत 970 शस्त्र लाइसेंस हैं। इससे जिनमें से थाना पर 60 और शस्त्र दुकानों पर मौत 254 शस्त्र जमा कराए जा चुके हैं ।

जिलाधिकारी के आदेश के बाद 15 सुरक्षित शस्त्र को छूट दी गई है। 15 लोगों को 110 जी के तहत मुचलका पाबंद किया गया है । चार गुंडों को जिला बदल किया जा चुका है और पांच हजार लोगों के विरुद्ध107/ 16 की कार्यवाही की गई है। ज1703 को मुचलका पाबंद कर हस्ताक्षर करा दिया गया है। थाना क्षेत्र में 242 बूथ है और 152 मत दे स्थल हैं। उन सभी के बूथों का निरीक्षण सत्यापन करा लिया गया है।

जेल से छूटे अपराधियों का सत्यापन किया जा रहा है।क्षेत्र में अबैध शराब की बिक्री की रोकथाम के लिये जगह जगह दबिश दी जा रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि संभावित चुनाव आने वाले दो तीन माह में होने की उम्मीद है जिसके मद्देनजर पुलिस ने अपनी व्यवस्था चाक चौबंद कर रखी है।

मेजा प्रेस क्लब का हुआ गठन, जयप्रकाश संरक्षक व शशिकांत बने अध्यक्ष

पत्रकार अपनी गरिमा को ध्यान में रखते हुए कार्य करें - शशिकांत तिवारी

संवाददाता

मेजा, प्रयागराज। मेजारोड मे शुक्रवार को पत्रकारों की बैठक मे मेजा प्रेस क्लब का गठन किया गया। थाना क्षेत्र के इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया से जुड़े पत्रकारों की बैठक मे मेजा प्रेस क्लब का गठन किया गया। जिसमें पत्रकार जयप्रकाश द्विवेदी को संरक्षक व वरिष्ठ पत्रकार शशिकांत तिवारी को अध्यक्ष बनाया गया। गठन के बाद पत्रकारों से जुड़ी तमाम समस्याओं पर चर्चा की गई।

वरिष्ठ पत्रकार हरिश्चन्द्र त्रिपाठी को उपाध्यक्ष, श्याम कृष्ण राय (लल्ला सिंह) को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुशील पाण्डेय को महामंत्री, दुर्गा प्रसाद गुप्ता को कोषाध्यक्ष, राजेश गौड़ उर्फ बाबा को संगठन मंत्री, आशीष शुक्ला व रामकैलाश विश्वकर्मा को मंत्री, प्रेमानंद मिश्रा को सचिव, उमेश चंद्र सोनी को प्रचार मंत्री, श्रीकृष्ण राय (गज्जू) को विधि सलाहकार/प्रवक्ता व वरिष्ठ सदस्य के रूप मे अरविन्द गुप्ता, श्रीकान्त यादव, अतुल तिवारी को गठन की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं संरक्षक जयप्रकाश द्विवेदी ने कहा कि पत्रकार ईमानदारी पूर्वक निडर होकर कार्य करें। अध्यक्ष शशिकांत तिवारी ने कहा कि पत्रकारों के हित के लिए संगठन बनाया गया है। सभी सदस्य पत्रकार की गरिमा को ध्यान में रखते हुए कार्य करें। इस मौके पर दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

गेहूं चावल कार्ड धारक अब अपनी सुविधाजनक किसी की दुकान से प्राप्त कर सकते हैं जिला पूर्ति अधिकारी

संवाददाता

बिजनौर। जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुवराज यादव ने गेहूं, चावल, चना, रिफाइण्ड आयल व नमक के निःशुल्क वितरण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के समस्त कार्डधारकों को माह दिसम्बर, के प्रथम चरण में बारह दिसंबर से बीस दिसंबर तक गेहूं, चावल, चना, रिफाइण्ड आयल व नमक का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। पोर्टबिलिटी की सुविधा के दृष्टिगत गेहूं व चावल आप अपनी सुविधाजनक किसी भी दुकान से प्राप्त कर सकते हैं, किन्तु चना, रिफाइण्ड आयल व नमक आपको अपनी मूल उचित दर दुकान से ही प्राप्त हो सकेगा। अतः सभी कार्डधारकों/ उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वह माह मार्च, 2022 तक अपनी मूल उचित दर दुकान से ही आवश्यक वस्तुयें प्राप्त करने का कष्ट करें।

बैंकों की हडताल से उपभोक्ता दूसरे दिन भी परेशान रहे

संवाददाता,

नूंह/मेवात। जिला में 16 व 17 दिसंबर को बैंकों की दो दिवसीय देश व्यापी हडताल के दूसरे दिन शुक्रवार को भी उपभोक्ता परेशान रहे। आज कल हर व्यक्ति को बैंक की जरूरत पडने लगी हैं और कई उपभोक्ताओं को बैंक हडताल की जानकारी न होने से वह रोजमर्रा की तरह अपने कामकाज के लिए बैंक में आ रहे थे। लेकिन बैंक पर ताला लगे रहने व कई बैंकों के बाहर नोटिस चिपका होने से उपभोक्ता वापिस लौट रहे थे। उपभोक्ताओं की माने तो गुरूवार व शुक्रवार हडताल की भेंट चले गये जबकि शनिवार व रविवार को अवकाश होने से वह भी अपने काम के चलते धक्के खाने को मजबूर हैं। यहां, यह बताना जरूरी है कि देश में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजिकरण की नीति और अन्य मांगों को लेकर देशभर के 10 बैंक कर्मी 16 व 17 दिसंबर दो दिवसीय हडताल का ऐलान किया था। जिसके चलते बैंक कर्मचारी हडताल पर चले गये।

सिकन्दराराऊ जीटी रोड से अतिक्रमण हटाने की डीएम से मांग, जाम में एंबुलेंस

दोनों ओर फुटपाथ का निर्माण अतिक्रमणकारियों ने फुटपाथ के दुकानदारों का कब्जा

» संवाददाता

सिकन्द्राराऊ कस्बा से होकर गुजरने वाला एनएच 91 पर आए दिन जाम की समस्या बनी रहती है। वहीं दुर्घटनाएं भी घटित होती रहती हैं। किन्तु इस बढ़ते अतिक्रमण पर न तो पुलिस और न ही नगर पालिका प्रशासन का ध्यान इस ओर केंद्रित हो रहा है। जिसके चलते जीटी रोड पर अतिक्रमणकारियों के हौसले बुंलद हैं। जीटी रोड पर लगातार अतिक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। लोगों ने जीटी रोड से अतिक्रमण को मुक्त कराने की जिलाधिकारी से मांग की है।

बता दें कि कस्बा में अतिक्रमणकारियों के हौंसले बुलंद हैं। अतिक्रमणकारियों ने जीटी रोड पर अतिक्रमण कर अपना कब्जा जमा रखा है। जिसके चलते जी टी रोड की सड़कें सुकड़ गई हैं। जीटी रोड पर अतिक्रमण होने के कारण एंबुलेंस फस गई। और हर समय जाम लगा रहता है। जिसके कारण लोगों को भारी परेशानियों से जूझना पड़ता है। अतिक्रमण के चलते जीटी रोड के हालात बद से बदतर हो गए है। नगर पालिका द्वारा जीटी रोड पर दोनों ओर फुटपाथ का निर्माण कराया गया है। अतिक्रमणकारियों ने फुटपाथ से आगे सड़क पर हलवा पराठा की दुकानें सजा रखी हैं। वहीं जीटी रोड पर बांस, बल्ली, चम्मल बालू आदि डाल कार लोगों ने जीटी रोड पर अतिक्रमण जमा रखा है।

बताया जाता है कि जीटी रोड पर जो हलवा पराठे की दुकानें लग रही हैं उनसे दुकानदार दुकानों के आगे दुकान लगाने की एवज में अच्छे खासे रुपए भी वसूलते हैं। जीटी रोड पर हथठेला वालों ने भी कब्जा कर रखा है। जिसके चलते ऑटो एवं प्राइवेट वाहन चालक वाहनों को जीटी रोड पर उल्टा सीधा खड़ा कर देते हैं। अतिक्रमण के चलते जीटी रोड पर आए दिन दुर्घटनाएं भी घटित होती रहती हैं। इस रोड से वीआईपी भी गुजरते हैं। इनके वाहनों को निकालने के लिए पुलिसकर्मियों को कड़ी मशक्कत भी करनी पड़ती है। हालांकि जीटी रोड पर हो रहे अतिक्रमण से पुलिस एवं नगर पालिका प्रशासन अनजान नहीं है। किंतु इनके द्वारा अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई जाती है। अधिकारियों की लापरवाही के कारण इन अतिक्रमणकारियों के हौंसले निरंतर बढ़ते ही जा रहे हैं। जीटी रोड पर बढ़ते अतिक्रमण से कभी भी कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है। शायद अधिकारी भी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। आखिर जीटी रोड अतिक्रमण से कब मुक्त होगा।

आर्यवर्त बैंक के पूर्व वरिष्ठ प्रबन्धक अनुज यादव ने 9 पदक

जीतकर जिले का किया नाम रोशन

संवाददाता

एटा। जनपद बस्ती में शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में 9 एवं 10 दिसम्बर को आयोजित 30वीं यू0पी0 मास्टर एथलैटिक्स चैंपियनशिप प्रतियोगिता में सेवानिवृत्त शाखा प्रबन्धक आर्यावर्त बैंक एटा के अनुज यादव ने 60 से 65 वर्ष के आयु वर्ग में भाग लेते हुए लगातार तीसरी बार 3.3 पदक ;ऊंची कूद स्वर्ण पदक, लम्बी कूद रजत पदक एवं त्रिपद कूद में काँस्य पदक जीतकर अपने जिला एटा का नाम रोशन किया। यादव ने सेवा निवृत्ति के बाद खेलना शुरू किया। इन्होंने प्रथम बार 28 वें यू0पी0 मास्टर एथलैटिक्स चैंपियनापि में दिनांक 23 व 24 दिसम्बर 2018 में अहिल्या बाई होल्कर स्पोर्टस स्टेडियम रामघाट रोड अलीगढ़ में भाग लेकर 100 मीटर रेस लॉग जम्प एवं ट्रिपल जम्प में स्वर्ण पदक हासिल किए थे एवं दूसरी बार 29 वें यू0पी0 मास्टर एथलैटिक्स चैंपियनशिप में जनपद सोनभद्र में 7 व 8 जनवरी 2020 मे ओबरा स्टेडियम में भाग लेकर डिस्कस थ्रो लॉग जम्प एवं ट्रिपल में पुनः तीन

स्वर्ण पदक हासिल किए थे। इस प्रकार अब तक कुल 9 पदक हासिल किये हैं। जिसमें सात स्वर्ण पदक एक रजत पदक एवं एक काँस्य पदक शामिल हैं। जो कि अपने आप में एक अनूठी मिशाल है। अनुज यादव का कहना है कि इन पदकों को प्राप्त करने का श्रेय उनके निवास स्थान के ठीक सामने पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त स्टेडियम का होना है। जिसमें वह निरन्तर सुबह शाम अभ्यास करते हैं। अनुज यादव हमारी नई पीढ़ी एवं खासतौर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रेर्णा स्त्रोत है।

किसान विभागीय पोर्टल पर पंजीयन करते हुए अपने धान की सफाई कर क्रय केन्द्र पर लायें

संवाददाता, एटा। जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिला खाद्य विपणन अधिकारी नन्द किशोर ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2021.22 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तगर्त जनपद एटा में कुल 15 धान क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं। शासन द्वारा धान खरीद की अवधि 1 अक्टूबर से 31 जनवरी 2022 निर्धारित की गयी हैं। जिसमें शासन द्वारा धान कॉमन का मूल्य 1940 रुपए प्रति कुन्तल एवं धान ग्रेड का मूल्य 1960 रुपए प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया हैं। धान क्रय केन्द्रों के खुलने का समय प्रातः 9 बजें से सांय 5 बजें तक निर्धारित हैं। शासन द्वारा जनपद के लिएं धान खरीद का लक्ष्य 8800 मी0टन रखा गया हैं। जिसके सापेक्ष 16 दिसम्बर तक 506 किसानों से कुल 3064 मी0टन धान की खरीद की जा चुकी हैं जो लक्ष्य का 34.82 प्रतिशत हैं। उन्होंने बताया कि किसानों से खरीद हेतु विभागीय पोर्टल पर सरकारी क्रय केन्द्रों पर धान बेचने हेतु किसान को पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। यह पंजीयन किसान स्वयं जनसूचना केन्द्र, इन्टरनेट कैफे के माध्यम से कर सकते हैं। किसानों की सुविधा के लिए क्रय केन्द्रों का समय.समय पर निरीक्षण किया जाता हैं। किसानों की सुख. सुविधा हेतु प्रत्येक धान क्रय केन्द्र पर किसानों के बैठने के लिए कुर्सी एवं पीने के पानी की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया है कि धान बेचने हेतु विभागीय पोटर्ल पर पंजीयन करते हुए अपने धान की सफाई कर क्रय केन्द्र पर लायें। यदि किसी भी किसान को किसी भी धान क्रय केन्द्र पर धान बेचने में असुविधा होती हो तो उसके लिए मोबाइल नम्बर 7839564958 पर शिकायत कर सकता हैं।

जिला निवार्चन अधिकारी ने तहसील सदर पहुंचकर प्राप्त फार्मों की जांच की

» संवाददाता

एटा। जिला मजिस्ट्रेट जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल ने तहसील एटा सदर पहुंचकर विधानसभा 104.एटा एवं 105 मारहरा विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत प्राप्त हुए अधिकतम फॉर्म 6 व 7 के फॉर्मों को चैक किया। दोनों विधानसभा क्षेत्रों के अन्तगर्त 10.10 बूथों के फॉर्मों को चैक करने के बाद 105 मारहरा विधानसभा क्षेत्र के तहत ग्राम मिलावली के बूथ संख्या 339 व 340 का स्थलीय निरीक्षण कर प्राप्त हुए फॉर्म 7 के तहत चार मतदाताओं के नाम सूची से काटे जाने की कार्यवाही का ग्रामीणजनों से वार्ता करके सत्यापन किया। मिलावली प्राथमिक विद्यालय द्वितीय पर बने बूथ संख्या 339 व 340 पर एएमएफ सुविधाओं को भी चैक किया। डीएम ने निर्देश दिए कि एएमएफ सुविधाओं के तहत जो भी कमियां है उनको अतिशीघ्र पूर्ण कर लिया जाए। मौजूद ग्राम प्रधान को भी निर्देश दिए कि बूथ के बाहर पेंटिंग करा दें। डीएम ने तहसील

एटा सदर में 104.एटा सदर विधानसभा के अन्तगर्त एसडी इण्टर कॉलेज नगला पोता पर प्राप्त हुए फॉर्म 6 को चैक करने के उपरान्त निर्देश दिए कि 21 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों द्वारा दिए गए फार्म 6 की सघनता से जांच की जाए। उनके एक परिवारीजन का एपिक कार्ड अथवा मतदाता होने की स्थिति को भी चैक करें। जिलाधिकारी ने फार्म 6 फार्म 7 की चैकिंग के दौरान निर्देश दिए कि 18 वर्ष से 21 वर्ष की आयु के युवक युवितयों से प्राप्त फॉर्म 6 के साथ आयु की जांच हेतु नियमानुसार आईडी भी ली जाए। यह भी सुनिश्चित करें कि फॉर्म 7 प्राप्त होने के बाद गहन जांचोपरान्त ही मतदाता का नाम सूची से काटा जाए। इस अवसर पर एसडीएम सदर शिव कुमार, तहसीलदार चन्द्र प्रकाश आदि मौजूद रहे।

राजनैतिक दलों के साथ ईवीएम वीवीपैट के तहत जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

» संवाददाता

एटा। जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के तहत जनपद के समस्त मान्यता

प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को ईवीएम वीवीपैट के जागरूकता प्रशिक्षण कायर्क्रम का आयोजन किया। डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि ईवीएम के संचालन सहित अन्य समस्त प्रकार की जानकारी के लिए ईवीएम वीवीपैट सीयू को कलक्ट्रेट स्थित अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के न्यायालय सहित जनपद की तीनों तहसीलों में रखा गया है। जनसामान्य से भी अनुरोध किया कि वे ईवीएम की जानकारी संचालन हेतु इन स्थानों पर जाकर चैक कर सकते हैं।

जिला निवार्चन अधिकारी ने कहा कि जनपद में विधानसभा सामान्य निवार्चन प्रक्रिया के दौरान शतप्रतिशत अनुपालन कराया जाएगा। ईवीएम की प्रक्रिया पूर्ण रूप से पारदर्शीय है। निवार्चन हेतु आयोग से प्राप्त हुई सीयू वीयू वीवीपैट की एफएलसी का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य से ईवीएम मोबाइल वैन गांव.गांव भेजी जा रही है जो सार्वजनिक स्थल पर लोगों को ईवीएम संचालन ईवीएम की पारदर्शिता के संबंध में लोगों को जागरूक कर रही है।

उप जिला निवार्चन अधिकारी सुनील कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर विवेक राजपूत, जिला विकास अधिकारी एसएन सिंह कुशवाहा द्वारा बैठक के दौरान मौजूद राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को ईवीएम के संचालन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मौजूद भाजपा महामंत्री सुशील गुप्ता, सपा जिला उपाध्यक्ष भूपेन्द्र प्रजापति सहित अन्य प्रतिनिधियों ने ईवीएम में वोट डालने की प्रक्रिया को चैक कर संतुष्टि जताई। बैठक में प्रभारी अधिकारी कार्मिक, सीडीओ डा0 अवधेश कुमार वाजपेयी समस्त उप जिलाधिकारी एडीईओ राजेन्द्र कुमार भारती आदि मौजूद रहे।

Year Ender 2021

हरनाज संधू भारत के लिए हैं लकी, पैदा होते ही दिलवाया था ब्रह्मांड सुंदरी का खिताब

70th मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज संधू को आज के समय में दुनियाभर के लोग जानते हैं. हरनाज ने कई देशों की सुंदरियों को पछाड़ते हुए ये खिताब अपने नाम किया है. भारत में 21 साल बाद ये खिताब लाने वालीं हरनाज संधू के बारे में भारत के छोटे गांव से लेकर अमेरिका तक हर कोई जानना चाहता है. लोग गूगल पर सर्च कर रहे हैं कि हरनाज संधू कहां से आती हैं क्या करती हैं और उनका परिवार कैसा है. साल 2021 में भारत की बड़ी उपलब्धि की बात होगी तो उसमें सबसे ऊपर मिस यूनिवर्स का नाम ही होगा. लेकिन क्या आपको पता है कि हरनाज उसी साल पैदा हुई थीं जिस साल लारा दत्ता ने मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया था.

3 मार्च 2000 को जन्मीं हरनाज संधू उस वक्त महज 2 महीने की थीं जब लारा दत्ता के सिर मिस यूनिवर्स का खिताब सजा था. 22 साल कीं लारा को 12 मई 2000 को ताज पहनाया गया था. तब से लेकर अब तक भारत हर साल इस ताज का इंतजार करता था मगर हम किसी ना किसी वजह से चूक जाते थे. लेकिन 21 साल बाद हरनाज संधू ने ये खिताब अपने नाम कर के साबित कर दिया है कि भारत की लड़कियां किसी से कम नहीं है.

भारत को यह खुशी का मौका देने वालीं हरनाज संधू चंडीगढ़ से ताल्लुक रखती हैं. हरनाज संधू ने पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कालेज फार गर्ल्स सेक्टर-42 से अपनी पढ़ाई पूरी की है. फिलहाल हरनाज पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर की पढ़ाई कर रही हैं. हरनाज संधू की मां डॉ. रविंदर कौर संधू मोहाली के सोहाना अस्पताल में डॉक्टर हैं. हरनाज की मां ने एक इंटरव्यू में बताया कि हरनाज जज बनना चाहती थी. हरनाज पढ़ाई में तेज थीं जिसकी वजह से उन्हें कभी कोचिंग भी नहीं लेनी पड़ी.

हरनाज मिस इंडिया 2019 फिनाले तक पहुंची थीं. बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वालीं हरनाज कौर पढ़ाई के साथ-साथ मॉडलिंग भी करती हैं. हरनाज कई पंजाबी फिल्मों में काम कर चुकी हैं. जल्द ही हरनाज संधू 'Yaara Diyan Poo Baran' और 'Bai Ji Kuttange' में नजर आएंगी.

हरनाज कई खिताब अपने नाम कर चुकी हैं. साल 2017 में उन्होंने टाइम्स फ्रेश फेस मिस चंडीगढ़, मिस मैक्स इमर्जिंग स्टार साल 2018 में और फेमिना मिस इंडिया पंजाब 2019 में जीता था. इसके साथ ही बीते दिनों कॉलेज में हरनाज को दीवा ऑफ कॉलेज अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था.

करण जौहर ने आलिया भट्ट बताया था इमरान हाशमी की बहन

द कपिल शर्मा शो में जब करण जौहर , आलिया भट्ट और वरुण धवन एक फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे. उस दौरान शो में सभी ने खूब मस्ती की थी. कपिल की टीम ने तीनों सेलेब्स हंसा- हंसा के लोटपोट कर दिया था. इसके साथ ही करण जौहर ने आलिया भट्ट को लेकर कई सारे जोरदार खुलासे किए. उसी दौरान उन्होंने आलिया भट्ट को इमरान हाशमी की बहन तक करार दिया था. करण की इस बात पर आलिया ने भी अजीब-सा रिएक्शन दिया था. आपको बता दें, हुआ यूं कि कपिल ने करण से शो के दौरान एक सवाल किया था, जिसके जवाब में उन्होंने आलिया भट्ट की तरफ इशारा करते हुए उन्हें सीरियल किसर करार दिया. यहां तक इमरान हाशमी की बहन तक बता दिया.

यहां तक इमरान हाशमी की बहन तक बता दिया. उनकी इस बात को सुनने के बाद हर कोई हंसने लगा. मगर आलिया ने इस बात पर अलग सा रिएक्शन दिया था. और वो हंसते - हंसते अपना सिर पकड़ लेती हैं.

पाकिस्तानी अभिनेत्री का बड़ा बयान, कहा- मैं हमेशा बॉलीवुड में काम करना चाहती थी

अभिनेत्री मेहर बानो ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कलात्मक आदान-प्रदान एक बार फिर शुरू होगा और उनका कार्यक्रम 'कातिल हसीनाओं के नाम'' इस दिशा में एक कदम है। लोकप्रिय पाकिस्तानी धारावाहिकों जैसे कि ''बाला'' और ''मेरे पास तुम हो'' से पहचान बनाने वाली बानो जी5 और जिंदगी की वेब सीरीज का हिस्सा है। यह सीरीज ब्रिटिश-भारतीय निर्देशक मीनू गौड़ ने बनायी है। अभिनेत्री ने कहा कि वह हमेशा से बॉलीवुड में काम करना चाहती थीं, लेकिन लगता था कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण यह असंभव होगा। बानो ने को जूम से दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं हमेशा से बॉलीवुड में काम करना चाहती थी, लेकिन दोनों देशों के बीच संबंधों को देखते हुए मैंने कभी सोचा नहीं था कि यह संभव होगा। लेकिन जब यह कार्यक्रम हुआ मैं थोड़ा हैरान हो गयी क्योंकि कोई भी इतने खास काम का हिस्सा क्यों नहीं बनना चाहेगा और वो भी हमारे पड़ोसियों के बीच, जिनके साथ हम काम करने के लिए बेताब हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था। लेकिन अब मुझे लगता है कि इस तरह के मौकों से हम कहानियां बता सकते हैं। बहुत ज्यादा खुशी और उत्साह है। हम सभी कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'' ''कातिल हसीनाओं के नाम'' महिलाओं की सीरीज है, जिसमें 'जिंदगी गुलजार है' में काम कर चुकी मशहूर पाकिस्तानी अभिनेत्री सनम सईद भी हैं। भारतीय दर्शकों के लिए 10 दिसंबर को फिर से शुरू किए गए जिंदगी चैनल और जी5 पर इसका प्रीमियर किया गया।

टाइट ड्रेस पहनकर मलाइका ने दिखाया अपना सेक्सी फिगर, परफेक्ट कर्व पर अटकी फैंस की नजरें

बॉलीवुड की हसीन दिलरुबा मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड अवतार की वजह से अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। पर आज कल अभिनेत्री मलाइका अपने स्टाइलिश लुक्स की वजह से सुर्खियां बटौर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की। हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करने वाली मलाइका ने इस बार क्लीवेज दिखाने के मूड में बिलकुल भी नहीं हैं। मलाइका ने अपनी इन स्टाइलिश तस्वीरों से दिखा दिया कि उन्हें बिना क्लीवेज दिखाए भी लोगों को मदहोश करना आता हैं। उनकी इन तस्वीरों ने लोगों का दिल जीत लिया हैं। तस्वीरें लोगों को खूब पसंद आ रही हैं और सोशल मीडिया पर ट्रेंड भी कर रही हैं। तस्वीरों में मलाइका के लुक्स की बात करें तो वे बेहद ही सुंदर और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। उन्होंने फुल स्लीव्स नेवी ब्लू कलर की वेलवेट मिडी ड्रेस पहनी हुई है। सिल्वर ज्वेलरी और हाई हील्स के साथ अभिनेत्री ने अपने लुक को कम्पलीट किया है। तस्वीरों में साइड पोज़ देते हुए मलाइका के परफेक्ट कर्व्स अच्छे से दिख रहे हैं। मलाइका अरोड़ा अपनी हेल्थ को लेकर काफी सचेत रहती हैं और 48 साल की उम्र में भी उन्होंने अपने आपको अच्छे से मेंटेन किया हुआ है। मलाइका के फैंस और फॉलोवर्स को उनकी यह तस्वीरें खूब पसंद आ रही हैं। मलाइका की इन तस्वीरों को अब तक 1 लाख से ज्यादा लाइक मिल चुके हैं। उनकी तस्वीरों पर दिल वाले इमोजी कमेंट करके लोग अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहें हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने उनकी तस्वीर पर कमेंट करते हुए लिखा, 'सेक्सी'। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'सुपर हॉट'। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स मलाइका अरोड़ा को ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने ट्रोल करे हुए लिखा कि, 'हाइट कमाल की है आंटी की卐। एक अन्य ने कमेंट करते हुए लिखा, 'अर्जुन कपूर की सेक्सी आंटी'। मलाइका अरोड़ा अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हर दिन वह कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं। काम की बात करें तो मलाइका अरोड़ा फ़िलहाल सोनी टीवी के डांसिंग रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर के सीजन 2 को गीता कपूर और टेरेंस लेविस के साथ जज कर रही हैं।

सलमान खान ने किराए पर दिया अपना मुंबई वाला अपार्टमेंट, कीमत आपके होश उड़ा देगी

सलमान खान सिनेमा जगत में तीन दशक से अधिक समय से काम कर रहे हैं। पिछले 30 सालों से उन्होंने अपने आपको एक्टिव रखा है। वह लगातार किसी न किसी काम को केकर चर्चा में बने रहे और उन्होंने अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए आराम से रहने के लिए काफी बड़ी संपत्ति अर्जित की है। वह वास्तव में लंबे समय से बांद्रा में गैलेक्सी अपार्टमेंट में रह रहे हैं, लेकिन उन्होंने कई अन्य संपत्तियों में भी निवेश किया है, जिनमें से एक अभिनेता ने हाल ही में किराए पर दी है। बॉलीवुड के दबंग ने हाल ही में मुंबई की एक संपत्ति 95,000 रुपये प्रति माह के हिसाब से आयुष दुआ नाम के शख्स को किराए पर दी थी। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, Zapkey.com द्वारा प्राप्त रिकॉर्ड के अनुसार, लीज और लाइसेंस समझौता 6 दिसंबर को दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, समझौते की अवधि 33 महीने है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि किरायेदार आयुष ने सलमान को अपार्टमेंट के लिए जमा राशि के रूप में 2.85 लाख रुपये का भुगतान किया है। समझौते में 5 प्रतिशत-बिंदु वृद्धि खंड भी शामिल है। सलमान द्वारा किराए पर लिया गया अपार्टमेंट शिव अस्थान हाइट्स की 14वीं मंजिल पर है। यह इलाका मुंबई के बांद्रा पश्चिम में स्थित है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार, संपत्ति एक 758 वर्ग फुट का अपार्टमेंट है। जैसा कि हम पहले ही बता चुके हैं कि रियल एस्टेट में सलमान की दिलचस्पी काफी दिखाई दे रही है।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये–नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस–पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस–बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय–समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग–अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ–दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला–मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट–फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च–मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग–अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले–पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते–फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय–समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस–पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2–3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2–3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक–एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक–एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2–3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं
अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते–डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना–फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार–बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते–बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार–बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

भारत के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक

मुम्बई, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक भारत के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज के अंतिम दो मैचों में नहीं खेलेंगे हालांकि इसके बाद होने वाली एकदिवसीय सीरीज में वह खेलेंगे। डिकॉक 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू हो रहे पहले टेस्ट में ही उपलब्ध रहेंगे। डिकॉक की पत्नी साशा हर्ली गर्भवती हैं और ऐसे समय वह अपनी पत्नी के साथ ही रहना चाहते हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका को बचे हुए दो मैचों में अपने इस प्रमुख बल्लेबाज के बिना ही उतरना पड़ेगा। दक्षिण अफ्रीका टीम के चयन संयोजक विक्टर म्पित्सांग ने कहा है कि डिकॉक निजी कारणों से अंतिम दो टेस्ट मैचों से बाहर रहेंगे। उनकी जगह काइल वेरेन को शामिल किये जाने की उम्मीद है। डिकॉक एकदिवसीय सीरीज से फिर वापसी करेंगे।

काइल ने जून में दक्षिण अफ्रीका के वेस्टइंडीज दौरे के टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने तीन पारियों में 39 रन बनाए थे। काइल ने तब से तीन प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और एक अर्धशतक बनाया है। वहीं दूसरी ओर रियान रिकेल्टन को भी टेस्ट टीम शामिल किया गया है। रियान अनकैप्ड खिलाड़ी हैं और हाल ही में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया है। वह इस सीजन में प्रथम श्रेणी बल्लेबाजी चार्ट में 10वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपने पिछले तीन मैचों में दो शतक बनाए हैं, जिससे लायंस अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाली है।

डिकॉक के नहीं होने से जहां मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम की बल्लेबाज कमजोर हुई है, वहीं इसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। डिकॉक दक्षिण अफ्रीकी टीम के स्टार बल्लेबाज हैं। उन्होंने टेस्ट करियर में अबतक 53 मैचों में 39.09 की औसत से 3245 रन बनाए हैं। इनमें 6 शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान को 3-1 हराया

ढ़ाका, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम ने शुक्रवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूनार्मेंट के लीग मुकाबले में पाकिस्तान को 3-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाकर अपना दबदबा बना दिया। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किये जबकि आकाशदीप सिंह ने एक गोल किया। वहीं पाक की ओर से एकमात्र गोल जुनैद मंजूर ने तीसरे क्वार्टर में किया। हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए पहले ही क्वार्टर के नौवें मिनट में गोल कर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। उन्होंने 9वें मिनट में गोल दागा और स्कोर 1-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भी भारत को 2 मिनट के लिए 10 खिलाड़ियों से खेलना पड़ा। पाक टीम ने इस दौरान जमकर हमले किये पर भारतीय रक्षापंक्ति ने इस आक्रमण को विफल कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाये रखा। भारत की ओर से आकाशदीप ने 42वें मिनट में रिवर्स फ्लिक के जरिए गोल कर भारत की बढ़त को बढ़ा दिया। तीसरे क्वार्टर के 45वें मिनट में पाक के जुनैद ने एक गोल कर भारत की बढ़त को कम कर दिया।

चौथे क्वार्टर में पाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बराबरी का गोल दागने का मौका मिला था लेकिन भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह के रेफरल लेने के कारण अंपायर को फैसला बदलना पड़ा। इसके बाद भारत ने पूरी तरह आक्रामक रुख अपनाने हुए खेला। 53वें मिनट में हरमनप्रीत ने भारत की ओर से पेनल्टी कॉर्नर के जरिए तीसरा गोल किया। यह मैच में उनका दूसरा गोल रहा। इस प्रकार भारतीय टीम 3-1 से आगे हो गयी। इसके बाद पाक टीम ने वापसी के कई प्रयास किये पर उसे सफलता नहीं मिली।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व पाक कप्तान बोला , जवाब दें गांगुली

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सलमान बट ने टीम इंडिया में जारी कप्तानी विवाद में अपनी राय रखी है। बट ने कहा है कि कप्तानी मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को जवाब देना चाहिए। बट ने कहा है कि कोहली ने बीसीसीआई अध्यक्ष को लेकर जो बात कही है वह छोटी बा नहीं है। उनका मानना है कि गांगुली और कोहली के दो अलग अलग बयानों से संशय बन गया है। गांगुली जहां कह रहे है कि विराट को सब बातों की जानकारी दी गयी थी, वहीं विराट इंकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांगुली को इस मामले में सामने आकर जवाब देना चाहिए। साथ ही कहा कि वे बीसीसीआई अध्यक्ष हैं और कोहली ने सार्वजनिक रूप से हैरानी वाली बात कही है जो छोटी बात नहीं है। इस पाक क्रिकेटर का मानना है कि मुख्य मामला यह नहीं है कि रोहित शर्मा को भारतीय एकदिवसीय टीम की कप्तानी सौंपी दी गई, बल्कि देने का तरीका है। साथ ही कहा कि एक बड़े खिलाड़ी से कप्तानी लेकर जिस तरह से दूसरे को दी गई है, वह सही नहीं है। इसे बेवजह विवाद बनाया गया है। इससे गांगुली और कोहली के बीच विश्वास की कमी होगी।

आईएसएल में बेंगलुरु और बागान का मुकाबला बराबरी पर रहा

बामबोलिम, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल में कप्तान सुनील छेत्री की टीम बेंगलुरू एफसी और एटीके मोहन बागान का मुकाबला 3-3 से बराबरी पर रहा। बेंगलुरू की ओर से क्लिटन सिल्वा ने 18वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया। इसके अलावा दानिश भट ने 26वें और प्रिंस इबारा ने 72वें मिनट में गोल किये। वहीं दूसरी ओर मोहन बागान की ओर से सुभाशीष बोस ने 13वें, ह्यूगो बोमोस ने 38वें और रॉय कृष्णा ने 58वें मिनट में गोल दागे। कृष्णा ने पेनल्टी पर गोल किया। इस ड्रॉ के साथ ही बेंगलुरू सात मुकाबलों में केवल पांच अंक हासिल कर 9वें स्थान पर बना हुआ है। उसके नाम पर एक जीत और 2 ड्रॉ हैं। वहीं, मोहन बागान 6 मैचों में 8 अंकों के साथ छठे स्थान पर बनी हुई है। उसके खाते में 2 जीत और इतने ही ड्रॉ मैच हैं। बेंगलुरू एफसी के कोच मार्को पेजाओली ने कहा है कि उनकी टीम के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ हुआ है और वे इससे बेहतर कर सकते थे पर किस कारण ऐसा नहीं हुआ यह अभी तक समझ में नहीं आया है।

सचिन विश्व के प्रशंसित व्यक्तियों में 12 वें स्थान पर रहे

मुम्बई, एजेंसी। मास्टर ब्लास्टर के नाम से लोकप्रिय बल्लेबाज रहे सचिन तेंदुलकर के खेल से संन्यास लिए कई साल हो गये हैं पर उनकी लोकप्रियता अभी तक कायम है। एक सर्वे में सचिन को विश्व के सबसे अधिक प्रशंसित व्यक्तियों में 12 वां स्थान मिला है। यह सर्वे 39 देशों के 42,000 से अधिक लोगों के बीच किया गया। स्टार खिलाड़ियों में तेंदुलकर को अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद तीसरा स्थान मिला है। इस सूची में वह भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के वर्तमान कप्तान विराट कोहली से आगे हैं।

इसके अलावा सचिन तेंदुलकर इस साल ट्विटर पर 50 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल हैं। तेंदुलकर को 50 प्रभावशाली लोगों की सूची में अमेरिकी अभिनेताओं ड्वेन जॉनसन और लियोनार्डो डि कैपरियो के अलावा अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा से ऊपर जगह मिली है। कंज्यूमर इंटेलिजेंस कंपनी ब्रांडवॉच के सालाना शोध के अनुसार, तेंदुलकर को इस सूची में शामिल करने के लिए उनके ह्यवंचित तबके के लोगों के लिए सराहनीय काम, उनके लिए आवाज उठाने और उचित अभियानों के लिए आगे रहने, उनके काम के बाद उनके प्रेरित प्रशंसकों और उनके साझेदार ब्रांड के प्रासंगिक प्रभावशाली अभियानोंह्व का हवाला दिया गया है।

स्पेन में महिलाओं के युगल मुकाबले में भाग लेती हुई चीन की चेन क्वीनचेन व जिया यीफान।

विराट के बयान से स्तब्ध है बीसीसीआई, मामले को सुलझाने सभी विकल्पों पर कर रहा विचार

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली के मीडिया में दिये बयान से निराश है पर इस मामले में वह तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं देगा। बीसीसीआई इस मामले को हल करने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है। वह नहीं चाहता कि विवाद का कोई भी प्रभाव टेस्ट सीरीज पर पड़े ,इसलिए तत्काल प्रतिक्रिया से बच रहा है। कप्तान विराट कोहली ने तीन मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले कहा था कि टी20टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए उनसे किसी तरह का अनुरोध उनसे नहीं किया गया। विराट का बयान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के उस बयान के विपरीता था जो उन्होंने मीडिया में दिया था।

उससे बीसीसीआई में कोई भी खुश नहीं है पर अधिकारियों का मानना है कि मामले के तत्काल हल के लिए उनकी कोई भी कड़ी प्रतिक्रिया और नुकसानदेह हो सकती है। विराट गुरुवार शाम दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए जबकि कोलकाता में बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वह कोई सार्वजनिक बयान नहीं देंगे। गांगुली ने मीडिया से कहा, ह्यकोई बयान नहीं, कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं। हम इससे निपट लेंगे, इसे बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए।ह्व गांगुली और सचिव जय शाह सहित बीसीसीआई के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बुधवार को 'जूम कॉलह्व पर बात की जहां सामूहिक रूप से फैसला किया गया कि कोई भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करेगा और ना ही मीडिया में बयान जारी करेगा।

बोर्ड इस मामले को सही प्रकार से हल करना चाहता है क्योंकि इससे अध्यक्ष के कार्यालय का सम्मान जुड़ा है। बीसीसीआई को पता है कि टेस्ट सीरीज होने वाली है और जल्दबाजी में लिया गया उनका कोई फैसला या बयान टीम का मनोबल प्रभावित कर सकता है।

लाबुशेन सबसे तेज 2000 रन पूरे करने वाले पांचवे खिलाड़ी बने

ब्रैडमैन के साथ एक विशेष क्लब में शामिल

एडीलेड, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज क्रिकेट सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने शानदार शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। लाबुशेन अपनी इस पारी के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेजी से अपने 2000 रन पूरे करने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही वह महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के साथ एक विशेष क्लब में शामिल हो गये। लाबुशेन ने 20वें टेस्ट के 34वीं पारी में 2000 रनों का आंकड़ा हासिल किया। ब्रैडमैन ने 15 मैच की 22 वहीं पारी में सबसे तेजी से 2000 रन बनाये और वह सबसे तेजी से रन बनाने के मामले में नंबर एक पर हैं। दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के जॉर्ज हेडली (17 मैच, 32 पारी), इंग्लैंड के हर्बर्ट सटक्लिफ (22 मैच, 33 पारी), ऑस्ट्रेलिया के माइकल हसी (20 मैच, 33 पारी) हैं।

इसके अलावा लाबुशेन 20 मैचों के बाद सबसे अधिक 50 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में ब्रैडमैन को पीछे छोड़ा। लाबुशेन ने 20 टेस्ट मैचों में 17 बार पचास के अधिक स्कोर किया है। वहीं ब्रैडमैन ने इतने ही टेस्ट मैचों में 15 बार ये कारनाम किया है हालांकि ब्रैडमेन ने इस दौरान 13 शतक लगा दिये थे। इसमें एक तिहरा और 5 दोहरे शतक भी शामिल थे। ब्रायन लारा और सर विवियन रिचर्ड्स इस सूची में तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने 20 मैचों के बाद 13 बार पचास से अधिक स्कोर बनाए हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका पहुंची , बीसीसीआई ने साझा की तस्वीरें

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंच गयी है। भारतीय टीम अपने इस दौरे में विराट कोहली की कप्तानी में 26 दिसंबर से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कप्तान कोहली और सहित खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए ट्वीट किया कि दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेलेगी। वहीं कोविड-19 के नए वैरिएंड ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए दोनों टीम पूरी श्रृंखला के दौरान जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में ही रहेंगी। टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की कमी खलेगी। रोहित मांसपेशियों में आये खिंचाव के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हैं। उनकी जगह युवा बल्लेबाज प्रियांक पंचाल को शामिल किया गया है। इस दौरे में भारतीय टीम का लक्ष्य पहली बार दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीतना रहेगा। कप्तान विराट कोहली के साथ ही आजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के लिए भी यह सीरीज बेहद अहम है। विराट का बल्ला पिछले काफी समय से नहीं चला है, ऐसे में उन्हें रन बनाने होंगे। वहीं खराब फार्म से गुजर रहे पुजारा और रहाणे को देखना होगा कि अंतिम ग्यारह में भी जगह मिलती है या नहीं।

टेस्ट सीरीज का पहला मैच बॉक्सिंग डे पर सेंचुरियन में खेला जाएगा जबकि बाकि के दो टेस्ट जोहानिसबर्ग और केपटाउन में खेले जाएंगे।

भारतीय टीम के लिए आसान नहीं होगा दक्षिण अफ्रीका दौरा

अब तक नहीं जीती है एक भी सीरीज

जोहांसबर्ग, एजेंसी। विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम 26 दिसंबर से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंच गयी है। भारतीय टीम को इस दौरे में तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। भारतीय टीम मेजबानों की अपेक्षा बल्लेबाजी और गेंदबाजी में बेहतर नजर आती है हालांकि अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीकी टीम का पलड़ा भारी है। भारतीय टीम आज तक यहां कोई सीरीज नहीं जीत पायी है। भारत ने यहां 7 टेस्ट सीरीज खेली हैं। इसमें से 6 में भारत को हार का सामना करना पड़ा। वहीं एक ड्रॉ रही है। अब देखना है कि विराट टीम को पहली बार सीरीज में जीत दिला पाते हैं या नहीं। पिछले कुछ समय से विराट पर लगातार दबाव बना हुआ क्योंकि वह रन नहीं बना पा रहे है। ऐसे में विराट का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना रहेगा।

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका में सीरीज ड्रॉ कराने में सफल रही थी। उस दौरे पर टीम इंडिया ने डरबन में हुआ दूसरा टेस्ट 87 रनों से जीता था जबकि सेंचुरियन में हुआ पहला टेस्ट दक्षिण अफ्रीका जीती थी। केपटाउन में हुआ तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था। भारतीय टीम विराट की कप्तानी में 3 साल पहले भी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गई थी। उस समय भी दक्षिण अफ्रीका ने पहले 2 टेस्ट जीतकर ही सीरीज अपने नाम कर ली थी। भारत ने जोहानिसबर्ग में हुआ तीसरा टेस्ट जीता था। उस टेस्ट की पहली पारी में भारतीय गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह ने 5 और दूसरी में मोहम्मद शमी ने भी इतने ही विकेट लिए थे।

साल 2006 में पहली बार राहुल द्रविड़ की कप्तानी में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका में अपना पहला टेस्ट मैच जीता था। यह जीत इसलिए भी खास थी क्योंकि भारत ने टेस्ट सीरीज के पहले मैच में जीत दर्ज की थी। इस मैच में श्रीसंत भारत की जीत के हीरो थे। उन्होंने उस मैच में कुल 8 विकेट लिए थे हालांकि, भारतीय टीम पहला टेस्ट जीतने के बाद बाकी दोनों टेस्ट हार गई थी और सीरीज जीतने का सपना टूट गया था। भारतीय टीम को इस बार दक्षिण अफ्रीका में जीत दर्ज करनी है तो विराट सहित उसके सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। इसके अलाव गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में यिंग से हारी सिंधु

हुएलवा, एजेंसी। भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। इस प्रकार इस भारतीय खिलाड़ी का खिताब बरकरार रखने का सपना टूट गया। सिंधु को महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग ने सीधे गेमों में आसानी से 21-17, 21-13 से हरा दिया।

इससे पहले सिंधु ने 2019 में यह खिताब जीता था। वहीं साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण टूनार्मेंट हुआ नहीं था। सिंधु ने 2019 में ताइ को इस टूनार्मेंट में हराया था। अब ताइ जू का सेमीफाइनल में सामना ही बिंगजाओ और हान यूए के बीच होने वाले मैच की विजेता खिलाड़ी से होगा।

सिंधु और यिंग के बीच पहले गेम में संघर्ष हुआ पर चीनी ताइपे की खिलाड़ी ने इसके बाद आक्रमक रुख अपना कर 21-17 से जीत हासिल की। वहीं दूसरे गेम में एक समय स्कोर 7-7 से बराबरी पर था पर इसके बाद फिर चीनी-ताइपे की खिलाड़ी ने 10-7 से बढ़त बनाई जिसे बाद में 11-8 पहुंचा दिया। इसके बाद यिंग ने बढ़त को 19-13 किया मुकाबला अपने नाम कर लिया।

रिजवान ने टी20 में बनाये सबसे ज्यादा दो हजार रन

तीसरे टी20 में खेली 87 रन की पारी

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने इस साल टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा दो हजार रन बनाये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतरने के बाद से ही रिजवान का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। रिजवान ने टी20 के अलावा घरेलू और लीग क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए तीसरे ओर अंतिम टी20 में भी रिजवान ने 87 रन की शानदार पारी खेली। इसके साथ ही उनके नाम इस साल टी20 क्रिकेट में 2000 से ज्यादा रन हो गए हैं। एक कैलेंडर वर्ष में इस आंकड़े को पाने वाले वह दुनिया के पहले बल्लेबाज हैं। रिजवान के इस साल टी20 में 2036 रन हो गये हैं। वहीं पाक के ही कप्तान बाबर आजम दूसरे नंबर पर हैं जबकि वेस्टइंडीज के क्रिस गेल तीसरे व भारत के विराट कोहली चौथे स्थान पर है। बाबर ने इस साल 2021 में 1779 रन बनाये हैं। गेल ने साल 2015 में 1665 रन बनाए थे। विराट ने भी साल 2016 में 1614 रन बनाए थे।

रिजवान ने इस साल टी20 की 26 पारियों में 1326 रन बनाये हैं। इसमें एक शतक और 12 अर्धशतक हैं। इस दौरान उन्होंने नाबाद 104 रन की सबसे बड़ी पारी खेली और उनका स्ट्राइक रेट 135 का रहा है। वह एक साल में टी20 में 100 चौके जड़ने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। रिजवान एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय में 1000 से अधिक रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं।